तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 61 | कोरबा, सोमवार, दिनांक 01 दिसम्बर 2025 डाक 02 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
अडानी अहमदाबाद मैराथन के 9वें एडिशन में हिस्सा लेते प्रतिभागी.....

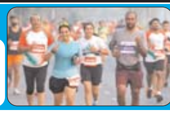

देश-विदेश
साउथ सेंट्रल रिज पर टावर निर्माण के खिलाफ आरडब्ल्यूए का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

फीचर पेज
सेब को अपनी डाइट में शामिल करने के लिए अपनाएं ये सरल तरीके

सदन में ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए शीतकालीन सत्र से पहले पीएम मोदी का संदेश......

लोकसभा की कार्यवाही फिर स्थगित, राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर हंगामा

नईदिल्ली 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मीडिया को संबोधित करते हुए साफ कहा कि संसद परिसर में ड्रामा करने की बहुत जगहें बाहर हैं, लेकिन सदन में हंगामे की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि सदन में ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, खासकर विपक्ष से अपील की कि वे सत्र को सुचारू और गरिमामय तरीके से चलाने में सहयोग दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद देश की आशाओं और अपेक्षाओं का केंद्र है। ऐसे में यहां नारेबाजी नहीं, बल्कि नीतियों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। नारे नहीं, नीति पर जोर देना चाहिए और इसके लिए नीयत होनी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि चुनावी पराजय की निराशा से निकलना चाहिए और रचनात्मक चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। कुछ राजनीतिक दल अभी भी बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन संसद निराशा का मैदान नहीं बननी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, सत्र किसी पक्ष की निराशा या किसी की विजय के अहंकार का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए। नकारात्मकता से देश निर्माण नहीं होता। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवा सांसदों को अधिक अवसर देने की जरूरत पर भी जोर

मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है, पीएम के टिप्स वाले बयान पर प्रियंका ने किया पलटवार

दिया। उन्होंने कहा कि नए सदस्यों के अनुभव और उनकी नई सोच से देश को फायदा होना चाहिए। हमारी युवा पीढ़ी जो नई दृष्टि लाती है, उससे सदन भी लाभान्वित होना चाहिए और उसके माध्यम से देश को भी नए विचार मिलने चाहिए। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि सदन ड्रामा की जगह नहीं है। यह काम करने की जगह है। हमें जिम्मेदारी की भावना के साथ काम करना होगा। पीएम मोदी ने सभी दलों को संदेश देते हुए कहा, मेरी सभी दलों से अपील है कि शीतकालीन सत्र में पराजय की बौखलाहट मैदान नहीं बननी चाहिए और यह सत्र विजय के अहंकार में भी परिवर्तित नहीं होना चाहिए।इससे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सोमवार को उम्मीद जताई कि संसद के सभी सदस्य लोकतंत्र की परंपराओं को मजबूत करने और शीतकालीन सत्र को प्रोडक्टिव बनाने के लिए सार्थक योगदान देंगे।

संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हो गई है। कार्यवाही शुरू होते ही सबसे पहले दिवंगत सांसदों को श्रद्धांजलि दी गई। राज्यसभा में पीएम मोदी ने कहा, आपका स्वागत करना गर्व का पल है। हाउस की तरफ से, मैं आपको दिल से बधाई देता हूं और आपको शुभकामनाएं देता हूं। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस हाउस में बैठे सभी सदस्य, अपर हाउस की गरिमा बनाए रखते हुए, हमेशा आपकी गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू हो गई है। लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला ने एक्टर धर्मेंद्र के उल्लेखनीय कार्यों का जिक्र करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। शीत सत्र की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा संसद पहुंचे। संसद कॉम्प्लेक्स स्थित मल्लिकार्जुन खरगे के ऑफिस में विपक्षी इंडी ब्लॉक के नेताओं की बैठक हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी बैठक में उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद पहली बार राज्यसभा की कार्यवाही का बतौर सभापति संचालन कर रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने सभापति की तारीफ की और कहा कि मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस सदन में बैठे सभी सदस्य, उच्च सदन की गरिमा बनाए रखते हुए, हमेशा आपकी गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि वे मर्यादा बनाए रखेंगे। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, पिछला सत्र आप देख लीजिए जिस तरीके से एसआईआर का एक मुद्दा लेकर पूरा सदन वॉशआउट कर दिया। उसी तरह का असार इस सत्र में भी देखने को मिल रहा है...सरकार पूरी तरह से तैयार हैं जिस पर वो चर्चा करना चाहते हैं हम जरूर हर विषय पर चर्चा करेंगे। लेकिन विपक्ष की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की गरिमा बनाए रखे और सत्र को चलने दें। स्थगन के बाद लोकसभा की कार्यवाही फिर शुरू हो गई है। हालांकि एसआईआर के मुद्दे पर विपक्ष का हंगामा अभी भी जारी है।

राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मुझे उम्मीद है कि आपको बुरा नहीं लगेगा कि मुझे आपके पहले वाले के राज्यसभा के चेयरमैन के ऑफिस से पूरी तरह से अचानक जाने का ज़िक्र करना पड़ रहा है... मुझे दुख हुआ कि सदन को उन्हें विदाई देने का मौका नहीं मिला। फिर भी, पूरे विपक्ष की ओर से मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। खरगे के बयान पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई, जिसे लेकर सदन में हंगामा हुआ।

वहीं प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी के ड्रामा नहीं, डिलीवरी वाले बयान पर पलटवार किया। प्रियंका ने कहा, कुछ जरूरी मुद्दे हैं। चुनाव की स्थिति, एसआईआर, और पॉल्यूशन बहुत बड़े मुद्दे हैं। पार्लियामेंट किस लिए है? यह ड्रामा नहीं है। मुद्दों पर बोलना, मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है चर्चा की इजाजत न देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न करना जो जनता के लिए जरूरी हैं।

तमिलनाडु बस हादसा: पीएम मोदी ने जताया दुख

मृतकों के आश्रितों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा

नई दिल्ली । तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए सड़क हादसे पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की। इस हादसे में कम से कम 12 लोगों की जान चली गई और करीब 40 अन्य घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तमिलनाडु के शिवगंगा में हुए हादसे में लोगों की मौत बहुत दुखद है। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द ठीक हो जाएं। उन्होंने घोषणा की कि प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के आश्रितों को 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50,000 रुपए मिलेंगे। यह टक्कर रविवार शाम को कुंद्राकुडी के पास कुम्मनगुडी के पास हुई, जब तमिलनाडु सरकार की दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बसों के टूटे-फूटे हिस्सों में फंस गए।

स्थानीय लोग तुरंत बचाव अभियान में मदद करने के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को क्षतिग्रस्त वाहनों से निकाला और उन्हें अस्पताल भिजवाया। मरने वालों की संख्या बढ़ने पर आपातकालीन टीमें देर रात तक काम करती रहीं। अधिकारियों ने दुर्घटना का कारण पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार, कम विजिबिलिटी या चालक की थकान जैसे कारणों की बात सामने आ रही है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि पूरी जांच के बाद ही असल कारण पता चलेगा। पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सोमवार सुबह सड़क की स्थिति का आकलन करने और फोरेंसिक सबूत इकट्ठा करने के लिए दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। घायलों का अभी शिवगंगा और कराईकुडी के अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जहां मेडिकल टीमें फ्रैक्चर, सिर में चोट और दूसरी गंभीर चोटों के कई मामलों को देख रही हैं। कई यात्रियों की हालत अभी गंभीर है, जिससे डॉक्टरों को तैयार रखना पड़ रहा है।

कश्मीर में मौलवी और डॉक्टर के घर समेत 10 जगहों पर एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी

दिल्ली ब्लास्ट की साजिश से जुड़े तार

श्रीनगर, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली विस्फोट मामले में कश्मीर घाटी में लगभग 10 जगहों पर छापेमारी की।

सूत्रों ने बताया कि आतंकवाद निरोधी एजेंसी ने मौलवी इरफान अहमद वागे, डॉ. अदील, डॉ. मुजम्मिल और आमिर राशिद के घरों सहित लगभग 10 जगहों पर छापेमारी की।उन्होंने बताया कि शोपियां के नादिगाम गाँव, पुलवामा के कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा और संबूरा गाँवों में छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा, टीम ऐसे सबूतों की तलाश कर रही हैं जो सफेदपोश मॉड्यूल और दिल्ली विस्फोट से जुड़े हो सकते हैं। एनआईए ने अब तक दिल्ली विस्फोट मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 10 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला क्षेत्र के पास एक कार में हुए विस्फोट में कम से कम 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

चक्रवात दितवाह की वजह से श्रीलंका में फंसे थे भारतीय नागरिक, IAF के एयरक्राफ्ट से लाए गए तिरुवनंतपुरम

नई दिल्ली 01 दिसम्बर। चक्रवात दितवाह की वजह से श्रीलंका में फंसे 200 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को इंडियन एयर फोर्स ने निकालकर तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर पहुंचाया। भारतीय वायुसेना के प्रवक्ता ने बताया कि कोलंबो से तिरुवनंतपुरम के लिए ऑपरेट किया गया वायुसेना का एयरक्राफ्ट शाम 7.30 बजे भारत पहुंच गया। एक प्रेस रिलीज में कहा गया, C-130 J एयरक्राफ्ट से रात 11 बजे तक 135 और लोगों के लैंड करने की उम्मीद है। प्रवक्ता के मुताबिक, वायुसेना के IL -76 और C-130 J हेवी लिफ्ट कैरियर्स, जिनका इस्तेमाल आइलैंड नेशन में रेस्क्यू मटीरियल और एनडीआरएफ टीमों को पहुंचाने के लिए किया गया था, उनका इस्तेमाल फंसे हुए पैसेंजर्स को निकालने के लिए किया गया।

बीएलओ की दिक्कतों और आत्महत्या जैसी घटनाओं पर गंभीर संवाद की दरकार: मायावती

लखनऊ 01 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान बीएलओ की ओर से आत्महत्या करने की घटनाओं पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताई है। उन्होंने मांग उठाई कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान बीएलओ समेत प्रमुख मुद्दों पर सही से चर्चा होनी चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसके हर सत्र की तरह इस बार भी काफी हंगामेदार होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। उन्होंने लिखा, हमारी पार्टी चाहती है कि संसद के दोनों सत्र सुव्यवस्थित व शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हों। देश व जनहित के जरूरी मुद्दों पर, खासकर राजधानी दिल्ली आदि में वायु प्रदूषण के कारण आ रही भारी परेशानी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर व्यावहारिक तौर पर हो रही परेशानियों, आपत्तियों व इस कार्य के मुख्य कर्ताधर्ता बीएलओ की दिक्कतों, उनकी ओर से की जा रही खुदकुशी की दुखद घटनाओं पर सही से चर्चा हो सके।

साथ ही साथ, इन समस्याओं का उचित समाधान निकलने की दिशा में सार्थक प्रयास हो सके। उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यापक देश व जनहित साधने के लिए संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों को राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर पूरी तरह से संवेदनशील और गंभीर होने की जरूरत है। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में इन दिनों एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है, जिसे लेकर विरोधी दल सरकार और चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। वहीं इस बीच कुछ बीएलओ की जान भी चली गई है।

हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से शिशु हाथी की मौत

राजाजी टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हुआ हादसा

रायवाला। हरिद्वार से देहरादून जा रही हावड़ा एक्सप्रेस की चपेट में शिशु हाथी आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। ये घटना मोतीचूर-रायवाला स्टेशन के बीच राजाजी टाइगर रिजर्व की हरिद्वार रेंज के अंतर्गत हुई।

इस घटना के बाद दिल्ली आनन्द विहार जा रही वंदे भारत ट्रेन को रायवाला स्टेशन रोका गया। बताया जा रहा है कि लोको पायलट को हिरासत में लिया गया है। हाथियों का झुंड ट्रैक पार कर रहा था, तभी ट्रेन आ गई। हाथी पार निकल गए मगर उनके साथ मौजूद शिशु हाथी ट्रेन की चपेट में आ गया।

आजम खान और अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ेंगी या होंगी कम!

रामपुर। सपा नेता आजम खान और अब्दुल्ला की मुश्किलें अभी और बढ़ सकती हैं। उनके खिलाफ मुकदमों की सुनवाई तेजी से चल रही है। इसके कारण मुकदमे जल्द से जल्द फैसले तक पहुंचने लगे हैं। नवंबर माह में तीन मामलों में फैसला आ चुका है, जिनमें दो में वह बरी हो गए थे और एक में सात साल के कारावास की सजा हुई है। अब दिसंबर माह में भी दो मामलों में फैसला आने की संभावना है। इनमें एक मामला दो पासपोर्ट बनवाने से संबंधित है। इसमें अकेले अब्दुल्ला आरोपित हैं। इसमें अंतिम बहस पूरी हो चुकी है और न्यायालय ने फैसले के लिए पांच दिसंबर तय भी कर दी है। इससे पहले दस्तावेज से संबंधित दो जन्म प्रमाण पत्र और दो पैनकार्ड मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने सात साल की सजा सुनाई थी। दो पैन कार्ड व दो जन्म प्रमाणपत्र में दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अब तक दोनों मामलों में सजा हुई है। ऐसे में यदि दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला को सजा होती है तो उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि, इस मामले में अगर बचाव पक्ष की दलीलों से अदालत संतुष्ट हो गई तो अब्दुल्ला को राहत मिल जाएगी। दूसरा मामला आजम का सेना को लेकर विवादित बयान का है। यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को सिविल लाइंस कोतवाली में कराया था। तब आजम खां सांसद थे। भाजपा विधायक का आरोप था कि आजम खां सपा कार्यालय पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वह केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे। आरोप है कि अचानक उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी कर दी। पुलिस ने इस मामले में जांच पूरी कर आजम खान के खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया था।

इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है। इसमें भी गवाही की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पत्रावली अंतिम बहस पर लगी है। सोमवार को बहस होगी। बहस पूरी होने पर इस मामले में भी फैसला सुनाया जाएगा। आजम खान यदि इसमें बरी होते हैं तो यह उनके लिए राहत की बात होगी। वह अब तक छह मुकदमों में बरी हो चुके हैं।

एमपी बृजमोहन अग्रवाल ने सीमा सुरक्षा बल की स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी

रायपुर। एमपी बृजमोहन अग्रवाल ने सीमा सुरक्षा बल की स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी। सांसद अग्रवाल ने कहा, भारत माता की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात तत्पर, अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक हमारे सीमा सुरक्षा बल के वीर जवानों को शत-शत नमन। इस गौरवपूर्ण दिवस पर सभी बीएसएफ कर्मियों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों के प्रति हृदय से आभार। देश की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता के लिए आपका समर्पण हर भारतीय को गर्व से भर देता है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

वंदे मातरम पर रोक ब्रिटिश राज की याद दिलाती है प्रियंका चतुर्वेदी का मोदी सरकार पर तीखा हमला!

नईदिल्ली 01 दिसम्बर। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले, शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को राज्यसभा सचिवालय द्वारा जारी एक पूर्व बुलेटिन पर आपत्ति जताई, जिसमें सदन में वंदे मातरम और जय हिंद सहित विभिन्न नारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सलाह दी गई थी। चतुर्वेदी ने बताया कि इन नारों पर प्रतिबंध लगाना ब्रिटिश काल के शासन जैसा है और उनकी पार्टी इस मामले पर सचिवालय से जवाब मांगेगी। हमारी पार्टी का मुख्य एजेंडा राज्यसभा सचिवालय और केंद्र सरकार से जवाब मांगना है कि वंदे मातरम और जय हिंद कहना कब से शिष्टाचार और नियमों का उल्लंघन बन गया। यह ब्रिटिश काल की शासन-व्यवस्था जैसा है। नोटिस को राष्ट्र-विरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि वंदे मातरम और जय हिंद हमारे देश और इसके स्वतंत्रता संग्राम के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये नारे लगाना देश प्रेम के कारण है, लेकिन अब वे जो कर रहे हैं वह राष्ट्र-विरोधी है। केंद्र सरकार को राज्यसभा में जय हिंदी और वंदे मातरम के लिए जारी किया गया नोटिस वापस लेना चाहिए।

यूबीटी सांसद ने कथित वोट चोरी और चुनाव आयोग द्वारा चुनावों को कमज़ोर करने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण पर भी चिंता जताई। इसी तरह, लोगों के स्वच्छ हवा के अधिकार को पूरा करने का आह्वान करते हुए, उन्होंने कहा कि लोग राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण पर चर्चा चाहते हैं... यह देश का प्राथमिक एजेंडा बनना चाहिए। स्वच्छ हवा का अधिकार हमारा मूल अधिकार है। संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने के दिन, सुबह 11 बजे, दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, रविवार शाम 4 बजे 279 की तुलना में सुबह 7 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 299 हो गया। राष्ट्रीय राजधानी में पिछले दो दिनों से खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की जा रही है। रविवार को बहुत खराब श्रेणी से सुधार देखने को मिला था।

बांग्लादेशी तस्करों का बीएसएफ जवानों पर हमला, जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर ढेर

कोलकाता, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

बंगाल के नदिया जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कल रात बांग्लादेशी तस्करों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बांग्लादेशी तस्करों ने जवानों पर जानलेवा हमला कर तस्करी का प्रयास किया, जिसे बीएसएफ ने विफल कर दिया। इस दौरान आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में बीएसएफ की गोली से एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर हो गया। बल के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में बताया कि यह घटना 32वीं वाहिनी की सीमा चौकी मतियारी इलाके में हुई। अन्य तस्कर वापस बांग्लादेश की ओर भाग निकले। मौके से एक कटर, चार धारदार हथियार, प्रतिबंधित फेंसेडिल कफ सीरप की 96 बोतलें और दो विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। बीएसएफ ने स्थानीय थाने में घटना की एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई है।

मरकजी सीरत कमेटी कोरबा द्वारा जलस-ए-सीरतुन्नबी की तैयारी पूर्ण

कोरबा । मरकजी सीरत कमेटी कोरबा द्वारा 1500 साला जश्ने ईद मिलादुन्नबी मनाने हेतु 1 दिवसीय जलसा (धार्मिक प्रवचन) जलस-ए-सीरतुन्नबी का आयोजन 2 दिसंब मंगलवार को ओपन थिएटर, घंटाघर चौक निहारिका कोरबा में किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 2 दिसंबर को होने वाले जलसा (धार्मिक प्रवचन) जलस-ए-सीरतुन्नबी में हजरत मौलाना मुफ्ती मोहम्मद सलमान अजहरी साहब का शहर कोरबा में पहली बार आगमन हो रहा हैं। मरकजी सीरत कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा आसिफ बेग (निशु) व सचिव मोहसिन मेमन ने जानकारी देते हुए बताया की (धार्मिक प्रवचन) जलस-ए-सीरतुन्नबी की तैयारियां की जा चुकी हैं। (धार्मिक प्रवचन) जलस-ए-सीरतुन्नबी को शांति पूर्ण एवं सौहाद्र पूर्ण तरीके से संपन्न करने हेतु अलग-अलग केटेगरी के वालिंटियर्स नियुक्त किये गए है। बताया जा रहा हैं की 2 दिसंबर मंगलवार को मुफ्ती साहब का कोरबा आगमन होगा तथा दोपहर 3:30 बजे ट्रांसपोर्ट नगर चौक मदरसा दारुल उलूम रिजविया के पास मुफ्ती साहब का स्वागत किया जायेगा। सायं 7 बजे से (धार्मिक प्रवचन) जलस-ए-सीरतुन्नबी प्रारंभ हो जायेगा जिसमे मुफ्ती साहब का प्रवचन होगा। मरकजी सीरत कमेटी कोरबा द्वारा ये अपील की गई है की आप सभी कार्यक्रम में उपस्थित हो कर इसे कामियाब बनावें।

सफल होने छात्रों को दिए टिप्स

कोरबा । कोरबा जिला पाली ब्लाक के गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कोरबी, धतुरा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम गवर्नमेंट मिडिल व प्रायमरी स्कूल रतिजा परिसर में आयोजित हुआ। शिविर में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका का व्याख्यान राकेश कुमार टंडन कार्यक्रम अधिकारी, गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल उतरदा ने दी। सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल इंडिया का व्याख्यान सुनील कुमार मिश्रा व्याख्याता बोइदा, उन्नत भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर व्याख्यान डी.के. पात्रे व्याख्याता कोरबी धतूरा, सभ्य संस्कृति सभ्य समाज के बारे में व्याख्यान डी.के. लहरे व्याख्याता कोरबी धतूरा, उत्तम स्वास्थ्य जीवन की पूंजी पर व्याख्यान राजू कुमार ने दी।

रतिजा स्वास्थ्य विभाग एसीबी द्वारा दवाइयां एवं उप स्वास्थ स्वास्थ्य केन्द्र नोनबिर्रा द्वारा रासेयो स्वयंसेवकों को दवाइयां, सिरप आदि दिया गया। फिरत राम सारथी डायरेक्टर सेपवस, अरुण सारथी समन्वयक सेपवस ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में उद्बोधन एवं छत्तीसगढ़ी लोकगीत पर चर्चा परिचर्चा की। डॉ. आदिले जेबीडी कॉलेज कटघोरा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विचार रखते हुए सामूहिक खेल भी खेलने के लिए प्रेरित किया। अरुण गुप्ता ने जीवन में सफल होने के सूत्र के साथ ही मेहनत एवं पढ़ाई पर जोर की बात कही।

उन्होंने टॉप-10 में आने वाले छात्रों को फ्री में हवाई यात्रा कराने की घोषणा की। प्राचार्य वीरभद्र सिंह पैकरा ने शिविर के दिनचर्या का पालन एवं अपने जीवन में साधने के लिए प्रेरित किया। शिविर का समापन प्रेमचंद पटेल विधायक कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के आतिथ्य में हुआ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

कोरबा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संस्कार भारती हायर सेकेंडरी स्कूल डिंगापुर में छात्रों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर प्राधिकरण की सचिव डिंपल ने कहा कि संविधान निर्माताओं की दूरदर्शिता से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत बना है। उन्होंने छात्रों को संविधान की प्रस्तावना, गरिमा व सम्मान के मूलभूत सिद्धांत के अनुरूप प्राधिकरण की संचालित विधिक सहायता, लोक अदालत समेत अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डिंपल ने कहा कि सविधान केवल पढ़ने की चीज नहीं बल्कि जीवन में अपनाई जाने वाली दिशा दर्शिका है इसे व्यवहार में लाना भी हमारा कर्तव्य है। संविधान नागरिकों का मौलिक अधिकारों के साथ-साथ उनके कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। भारत का संविधान सिर्फ एक दस्तावेज नहीं बल्कि करोड़ों भारतीयों के अधिकारों, कर्तव्यों और समानता की नींव है। संविधान में निहित लोगों के मौलिक अधिकारों पर आधारित निबंध लेखन में छात्रों ने भागीदारी निभाई। लोकतंत्र के तीन स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के आपसी समन्वय से किए जाने वाले कार्य की छात्रों को जानकारी दी। विद्यालय की उप प्रचार्या हीरामणी निराला ने भी अपने विचार रखे। अंत में आभार विद्यालय की प्राचार्य शेख सबीना ने जताया।

बच्चों ने बनाया सोलर सिस्टम और स्मार्ट सिटी का मॉडल

कोरबा । कोरबा जिलान्तर्गत नगर पंचायत पाली के द रेडिएंट पब्लिक स्कूल पाली में कला, विज्ञान व तकनीकी प्रदर्शनी उड़ान का आयोजन किया गया। छात्रों ने अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शनी के माध्यम से बताया। मॉडल को देखकर सभी ने प्रशंसा की। छात्रों के बनाए गए वर्किंग मॉडल व प्रेजेंटेशन ड्रोन वर्किंग मॉडल, एमसीक्यू सॉल्यूशन सिस्टम, सोलर सिस्टम, स्मार्ट सिटी, वाटर सायकिल, सेंस ऑर्गन, फ़ोटो सिंथेसिस, इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर, वाटर मैनेजमेंट, ह्यूमन हार्ट वर्किंग मॉडल, चंद्रयान 3, विंड मिल, सोलर पैनल, सीजन, ज़ू मॉडल, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, मोड ऑफ ट्रांसपोर्ट, वर्सिप प्लेसेस, सोलर पॉवर, वाइल्ड लाइफ, विभिन्न बॉडी ऑर्गन्स, वाटर डैम, वाटर फ़िल्टर सिस्टम मॉडल प्रमुख थे। विद्यालय के डारेक्टर राकेश कश्यप ने छात्रों को निरंतर अपनी प्रतिभाओं को बढ़ाने व आयोजन को सफल बनाने के लिए अतिथियों और अभिभावकों का आभार जताया।

कबड्डी में दिखाया दमखम

कोरबा । कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में छात्रों की खेल प्रतिभा को निखारने अशासकीय विद्यालय संघ दीपका ने खेल महाकुंभ का आयोजन किया। इसमें दीपका क्षेत्र के अशासकीय विद्यालय के छात्रों ने हिस्सा लिया। कबड्डी स्पर्धा में छात्राओं ने दमखम दिखाया। प्राइमरी, मिडिल व हाईस्कूल की 3 श्रेणियों में विभिन्न खेल का आयोजन किया गया। अशासकीय विद्यालय संघ दीपका के दो दिनी खेल महाकुंभ में कलचुरी हायर सेकेंडरी स्कूल, सर्वमंगला हाईस्कूल, राधेय विद्यापीठ हाईस्कूल, छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, ईस्ट पाइंट हाईस्कूल, रामकृष्ण पब्लिक स्कूल, ज्ञान विज्ञान पब्लिक स्कूल और सरस्वती ज्ञान मंदिर दीपका ने भाग लिया।

नेता प्रतिपक्ष महंत ने कहा धान खरीदी केन्द्रों में हो रही अवैध वसूली

कोरबा। विपक्ष के नेता डॉ चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ में चल रही धान खरीद प्रक्रिया पर चिंता जताई और आरोप लगाया कि किसानों से 'अवैध' श्रम शुल्क वसूला जा रहा है, जिसका भुगतान सरकार को करना चाहिए।उन्होंने चेतावनी दी कि सहकारी समिति के कर्मचारियों और डेटा एंट्री ऑपरेटरों की हड़ताल का समाधान न होने से राज्य भर में ख़रीद कार्य पटरी से उतर सकता है। मुख्यमंत्री को लिखे एक पत्र में, महंत ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ख़रीद केंद्रों पर किसानों से बोरी भरने और मज़दूरी के नाम पर कथित तौर पर लिए जा रहे 7.50 रुपये प्रति क्विंटल के शुल्क को तुरंत रोकने की माँग की।उन्होंने कहा कि किसानों से कहा जा रहा है कि या तो वे भरा हुआ बोरा लेकर आएं या फिर मजदूरों को 3 रुपये प्रति बोरा (40 किलोग्राम) का भुगतान करें, ऐसा न करने पर उनका धान नहीं खरीदा जा रहा है।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार पहले से ही राज्य की खरीद एजेंसियों को बोरियों में भरने, तौलने, सिलाई, मार्किंग, लोडिंग और स्टैकिंग सहित सभी परिचालन लागतों को पूरा करने के लिए 22.05 रुपये प्रति क्विंटल प्रदान करती है। 9 अक्टूबर, 2025 के एक केंद्रीय परिपत्र का हवाला देते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि 2023-24 और 2024-25 सीज़न में 'अवैध वसूली' 220.68 करोड़ रुपये की है और इस प्रथा को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार कार्रवाई करने में विफल रही तो कांग्रेस राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करेगी।एक अन्य पत्र में, महंत ने बताया कि 2025-26 का खरीद सत्र 15 नवंबर से शुरू होने वाला है, लेकिन हजारों सहकारी और खरीद कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के कारण 2,058 प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों और 2,739 खरीद केंद्रों के कार्यालय बंद हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने हड़ताल समाप्त करने में कोई प्रगति नहीं की है, जिससे खरीद की सुचारू शुरुआत 'लगभग असंभव' हो गई है।हड़ताली कर्मचारियों ने चार पुरानी माँगें उठाई हैं, जिनमें खरीदे गए धान का समय पर निपटान और सहकारी समितियों को देय कमीशन का भुगतान शामिल है ताकि वे कर्मचारियों का वेतन दे सकें। महंत ने कहा कि खरीद केंद्रों पर धान की कमी—धान के उठान में देरी का नतीजा—को गलत तरीके से लापरवाही माना जा रहा है, जिसके कारण कर्मचारियों से अनुचित वसूली और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय तक भंडारण के कारण प्राकृतिक सुखाने से वजन अनिवार्य रूप से कम हो जाता है।विपक्ष के नेता ने डेटा एंट्री ऑपरेटरों की शिकायतों को भी उजागर किया, जो उनके अनुसार, कम्प्यूटरीकृत खरीद प्रक्रिया के लिए आवश्यक हैं। पिछले साल तक, उन्हें 12 महीने का वेतन मिलता था, लेकिन 2025-26 के लिए सरकार ने मार्केटिंग फेडरेशन के माध्यम से उन्हें केवल छह महीने का वेतन देने और आउटसोर्सिंग के माध्यम से उनकी नियुक्ति करने का निर्णय लिया। इस फैसले को 'बेहद अन्यायपूर्ण 'बताते हुए महंत ने कहा कि डेटा एंट्री ऑपरेटर 18 साल से काम कर रहे हैं और उन्हें बेहतर सुविधाएँ मिलनी चाहिए, कम नहीं। उन्होंने कहा कि पूरे साल का वेतन और नियमितीकरण की उनकी माँगें जायज़ हैं।

दीपका में एसआईआर अभियान के दौरान पार्षद सुजीत सिंह ने दिया सहयोग, वार्डवासियों को किया जागरूक

कोरबा। वार्ड नंबर 09 में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत आज वर्तमान पार्षद सुजीत सिंह ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपनी सक्रिय सहभागिता दी। उन्होंने वार्डवासियों को मतदाता सूची में नाम संशोधन, जोड़ने और सुधार से संबंधित प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया। पार्षद सुजीत सिंह ने घर-घर जाकर लोगों को ब्लॉक लेवल अधिकारियों (एसआईआर) के साथ सहयोग करने और सही जानकारी उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि स्ढ्ढक्र अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने का एक महत्त्वपूर्ण कदम है, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वार्ड के निवासियों को भरोसा दिलाया कि हर पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा। पार्षद की इस पहल को वार्डवासियों ने सराहा और अभियान को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में (एसआईआर)और स्थानीय लोगों की मौजूदगी ने अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया।

अज्ञात युवक की लाश मिलने से सनसनी

कोरबा। शहर के सतनाम नगर क्षेत्र में रविवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक टायर दुकान के पीछे बने आंगन से एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। जानकारी के अनुसार यह घटना शाम लगभग 5 बजे की है। दुकान के पीछे पड़े टायरों के ढेर के बीच युवक की लाश दिखाई देने पर लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 25 से 35 वर्ष के बीच प्रतीत होती है। युवक सांवले (गेहुँए) रंग का है। बरामदगी के समय उसके शरीर पर कोई ऊपरी कपड़ा नहीं था और उसने नीले रंग का लोअर पहना हुआ था। मृतक की दाढ़ी और काले बाल धूल-मिट्टी से सने हुए थे, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि शव वहां कई घंटों पहले से मौजूद था।सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि अभी तक मृतक की पहचान

एनकेएच के वॉकथॉन में लोगों की उमड़ी भीड़

कोरबा। न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एनकेएच) द्वारा आयोजित वॉकथॉन में रविवार को शहरवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर स्वास्थ्य जागरूकता का सशक्त संदेश दिया। सुबह 7:30 बजे घंटाघर चौक से शुरू हुआ यह वॉकथॉन न्यू कोरबा हॉस्पिटल परिसर पहुंचकर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सैकड़ों प्रतिभागियों ने पैदल चलकर एकता, नशा मुक्ति, प्रदूषण से बचाव, स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया।

वॉकथॉन की शुरुआत जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, सीएसपी कोरबा भूषण एक्का, नगर निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष अमरजीत सिंह, राज्य सचिव स्काउट एंड गाइड जितेंद्र साहू एवं एनकेएच ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी द्वारा की गई। अस्पताल पहुंचने पर प्रतिभागियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें शुगर, बीपी एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की गई। अतिथियों ने कहा कि एनकेएच हमेशा से स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी रहा है। वॉकथॉन जैसी पहलें लोगों को नशा मुक्ति, प्रदूषण से बचाव, तथा पैदल चलने की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

एनकेएच ग्रुप के डायरेक्टर व प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस. चंदानी ने कहा कि कोरबा ने उन्हें बहुत कुछ दिया है और वे चाहते हैं कि कोरबावासी बिना दवाइयों के स्वस्थ रहें। इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया गया। एडवांस डायग्नोसिस सेंटर की डायरेक्टर डॉ. वंदना चंदानी ने भी लोगों की भारी भागीदारी पर आभार व्यक्त किया। और कोरबा में अपने स्वास्थ्य को लेकर हर कोई चिंतित और परेशान है। इसे लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले पहले 300 लोगों को टी-शर्ट एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। आयोजन को सफल बनाने में बजरंग दल कोरबा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर जिला संगठक एनएसएस वाय.के. तिवारी, भाजपा जिला मंत्री विवेक मारकंडे, केएन कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी गोविंद माधव उपाध्याय, पोषण विशेषज्ञ निधि अग्रवाल, योगा इंस्ट्रक्टर सचिन विश्वकर्मा सहित डॉक्टर, जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, छात्र एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माउथ कैंसर से उबर रहे अशोक राठौर को नशा मुक्ति जागरूक नागरिक के रूप में सम्मानित किया गया। साथ ही 83 वर्षीय श्याम मरकाम, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ शुरुआत से समापन तक वॉकथॉन में सहभागिता निभाई, को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वस्थ जीवन की ओर कदम नशा मुक्ति जागरूकता की शपथ ली गई।

सरकार की बिजली बिल हॉफ योजना आज से हुई शुरू उपभोक्ताओं को मिलेगी राहत

कोरबा। सीएम विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप पूरे प्रदेश में आज से बिजली बिल हॉफ योजना लागू कर हो गई है, जिसका सीधा फायदा प्रदेश की आम जनता को मिलेगा। सरकार के निर्देशानुसार 200 यूनिट तक उपभोक्ताओं को हाफ बिजली बिल का भुगतान करना होगा। बता दें कि सीएम विष्णुदेव साय ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान प्रदेशवासियों को राहत देते हुए 200 यूनिट बिजली हाफ योजना लागू करने का ऐलान किया था। ज्ञात हो कि करीब 4 महीने पहले यानी 1 अगस्त 2025 को सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना पर बड़ा बदलाव किया था। भूपेश सरकार के समय लागू 400 यूनिट की सीमा को घटाकर 100 यूनिट कर दिया था। इस बदलाव का असर सीधे-सीधे लाखों परिवारों पर पड़ा था।

400 यूनिट तक भी अगले 1 साल तक मिलेगा फायदा

इसके अलावा पीएम सौर योजना को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार ने नई पहल की है। जिन उपभोक्ताओं की खपत 200 से 400 यूनिट तक है उन्हें भी अगले एक साल तक 200 यूनिट पर हाफ बिल का लाभ मिलेगा। इस निर्णय से प्रदेश के 45 लाख में से 42 लाख उपभोक्ता सीधे लाभान्वित होंगे। 400 यूनिट तक खपत करने वाले उपभोक्ताओं को एक साल का लाभ इसलिए दिया गया है ताकि इस दौरान वे पीएम सौर योजना के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करा सकें और 1 साल के भीतर अपने घरों में सोलर पैनल लगवा सकें।

योजना से प्रदेशवासियों की जेब में राहत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन में नई बिजली बिल योजना की घोषणा की। इसके पहले बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने सदन में मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि विशेष सत्र एक ऐतिहासिक पल है, जिसमें छत्तीसगढ़ विधानसभा के परिसर को विदाई दी जा रही है। लिहाजा इस मौके पर मुख्यमंत्री कोई ऐसी सौगात दें जो हमेशा-हमेशा के लिए यादगार रह जाए। हालांकि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस घोषणा पर विपक्ष अब भी हमलावर है। कांग्रेस नेता का कहना है कि भूपेश बघेल सरकार 400 यूनिट तक बिजली बिल हाफ योजना का लाभ सभी लोगों को दे रही थी। सरकार पुरानी व्यवस्था लागू करे। बता दें कि बिजली बिल के मुद्दे पर ही कांग्रेस ने सीएम हाउस घेराव करने का ऐलान किया हुआ है।

क्या है हाफ बिजली बिल योजना है?

1 मार्च 2019 को हाफ बिजली बिल योजना शुरू की गई थी। इसका मकसद घरेलू उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत देना था। योजना के तहत अगर कोई उपभोक्ता 400 यूनिट या उससे कम बिजली उपयोग करता था, तो उसे कुल बिल का सिर्फ आधा भुगतान करना होता था। इतना ही नहीं, अगर किसी उपभोक्ता की खपत 400 यूनिट से अधिक भी होती थी, तब भी उसे पहले 400 यूनिट पर हाफ बिजली बिल का फायदा मिलता था, और इसके बाद की यूनिट पर तय दरों के हिसाब से भुगतान करना पड़ता था।

पुल में दरार वाहनों को आवागमन रोका प्रशासन ने

कोरबा। कोरबा-चांपा रोड स्थित उरगा चौक से कुदुरमाल-बिलासपुर सड़क की तरफ जाने वाले मार्ग पर बड़ी गाड़ियों का आवागमन फिलहाल पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। भारी वाहनों की आवाजाही रोकने का निर्णय सुरक्षा एवं सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।प्रशासन द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में सर्वमांगला-कनबेरी रोड से डायवर्ट किया गया है। यह मार्ग इस समय पूरी तरह से सुचारु है और बिना किसी बाधा के यातायात संचालित हो रहा है।स्थानीय ट्रैफिक विभाग ने बताया कि उरगा चौक से कुदुरमाल-बिलासपुर दिशा में मार्ग मरम्मत एवं चौड़ीकरण कार्य के चलते भारी वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। इससे दुर्घटना की आशंका कम होगी और कार्य भी तेजी से संपन्न हो सकेगा।छोटे वाहनों के लिए मार्ग पूर्ववत चालू है, लेकिन ट्रैफिक पुलिस ने सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं भारी वाहनों के चालकों से सर्वमांगला-कनबेरी मार्ग का उपयोग करने और दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।प्रशासन ने कहा है कि स्थिति सामान्य होते ही भारी वाहनों का आवागमन फिर से बहाल कर दिया जाएगा।

समाज में शांति का वातावरण बना रही ब्रम्हाकुमारी संगठन : संजू देवी

कोरबा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, टीपी नगर कोरबा द्वारा नवंबर 2025 में आध्यात्मिक ऊर्जा पार्क, गेवराघाट में 'तनाव मुक्ति में ज्ञान का महत्व' विषय पर एक भव्य और प्रेरणादायी आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मन, ऊर्जा और सकारात्मकता पर केंद्रित इस विशेष कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत तथा विशेष अतिथि के रूप में सभापति नूतन सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। मंच पर पहुंचने पर दोनों अतिथियों का ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

ब्रह्माकुमारी संगठन की दीदियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि जीवन में बढ़ते तनाव, मानसिक दबाव और नकारात्मकता को दूर करने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान, राजयोग ध्यान, सकारात्मक चिंतन और आत्म-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को सरल ध्यान की विधियाँ सिखाई और बताया कि कैसे राजयोग का अभ्यास मन को स्थिरता, आत्मविश्वास और शांति प्रदान करता है। शांत और दिव्य वातावरण से घिरा यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए आत्मशक्ति वृद्धि, मानसिक संतुलन और आत्मिक ऊर्जा जागरण का अनूठा अनुभव रहा। उपस्थित लोगों ने राजयोग के माध्यम से तनावमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा पाई।

महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन समाज में शांति, आध्यात्मिकता और सकारात्मकता का जो वातावरण बना रहा है, वह अत्यंत सराहनीय है। सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने भी कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन लोगों के जीवन में नई ऊर्जा और संतुलन का संचार करते हैं। समापन अवसर पर आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, मनोबल व सुख-शांति फैलाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। कार्यक्रम में आए सभी प्रतिभागियों ने इसे अत्यंत उपयोगी, प्रेरक और जीवन-संवर्धनकारी बताया।

एकता व अनुशासन को जीवन में धारण कर सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनें युवा : डॉ. प्रशांत बोपापुरकर

कमला नेहरु महाविद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया एनसीसी दिवस

कोरबा । कोरबा अंचल में स्थापित और संचालित कमला नेहरू महाविद्यालय में एनसीसी स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर्प्स (एनसीसी) का आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन है, जिसे जीवन में धारण कर हमारे युवा एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बन सकते हैं। एकता और अनुशासन की सीख के साथ एनसीसी हमारे देश की रक्षा सेवाओं के लिए काबिल युवाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। अनुशासन, नेतृत्व और अटूट देशभक्ति जैसे मूल सिद्धांतों के साथ युवाओं को प्रशिक्षित करने में यह संगठन देश में एक प्रतीक स्वरूप प्रदर्शित हो रहा है। उक्त कार्यक्रम में कमला नेहरू महाविद्यालय समिति के अध्यक्ष किशोर शर्मा एवं सहसचिव उमेश लांबा के साथ 1 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी से सूबेदार रामदेव साव एवं नायब सूबेदार मोहम्मद मुस्तफा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने भी कैडेट्स को संबोधित कर उनका मार्गदर्शन किया। डॉ. बोपापुरकर ने आगे कहा कि युवा संगठन के लक्ष्यों और उद्देश्यों को याद करने के लिए एनसीसी दिवस मनाया जाता है। कमला नेहरू महाविद्यालय की एनसीसी इकाई जिले की उच्च शिक्षा संस्थानों में सबसे पुरानी इकाइयों में से एक है, इस संगठन के लक्ष्य को आगे बढ़ाने सतत प्रयासरत है। एनसीसी खासकर युवाओं और विद्यार्थियों में कर्तव्य के प्रति समर्पण, निष्ठा, अनुशासन और आत्म-बलिदान की अवधारणा का विचार पैदा करता है। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने भक्ति गीत व नृत्य की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महाविद्यालय में हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना सिंह, भूगोल विभागाध्यक्ष अजय कुमार मिश्रा, वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती मनीषा शुक्ला, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनिल राठौर, आईटी विभागाध्यक्ष डॉ. बिना विश्वास, सहायक प्राध्यापक आशुतोष शर्मा, डॉ. सुशीला कुजूर, ललिता साहू सहित अन्य उपस्थित रहे।

टीबी, दहेज और साइबर क्राइम पर ग्रामीणों को किया जागरूक

कोरबा । स्वामी आत्मानंद स्कूल पोड़ी लाफा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय कार्यक्रम विशेष ग्राम सैला में आयोजित हुआ। जिसके समापन अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कौशल सिंह नेटी, जयसिंह राज, सरपंच ग्राम सैला कमलदेवी आंडिल आदि उपस्थित रहे। शिविर में स्वयं सेवको ने प्रात: जागरण रैली, योग, प्रणायाम व बौद्धिक चर्चा, खेलकूद तथा टीबी बीमारी, नारी सशक्तिकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे मुद्दों पर जागरूकता फैलाई। श्रमदान से विद्यालय परिसर में सोखता गड्ढा का निर्माण किया गया। तालाब के पचरी को साफ किया, बजरंग चौक, ठाकुर देव, गांधी चौक, बांध, विद्यालय परिसर के चारों ओर साफ सफाई की। दीवारों में रासेयो के नारे व नशामुक्ति के संदेश दिया तथा एसआईआर के प्रति जागरूकता बढ़ाई। नाटक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामवासियों को नशामुक्ति, शिक्षा, दहेज, साइबर क्राइम के संबंध में शिक्षित किया।

विद्यालय के पास चौक से कचरा एकत्रित कर उसकी सफाई की। शिविर में 93 स्वयं सेवक शामिल रहे।

8 हजार लोगों को बांटे कंबल 793 का स्वास्थ्य जांचा

अकलतरा। अधोर आश्रम, पोड़ी दल्हा में परम पूज्य अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम का 34वां महानिर्वाण दिवस आश्रम प्रांगण में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति में मनाया गया। कार्यक्रम में परम पूज्य कापालिक धर्म रक्षित राम बाबा के सान्निध्य में हजारों शिष्य एवं भक्तों ने भाग लिया।

सुबह 8 बजे बाबा द्वारा अघोरेश्वर महाप्रभु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पूजा एवं आरती की गई। श्रद्धालुओं ने सफलयोनि का पाठ किया और हवन में आहुति दी। पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के बाद भक्तों ने बाबा का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाण दिवस के अवसर पर आश्रम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया। बिलासपुर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, अकलतरा के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 793 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। दोपहर 3 बजे बाबा के करकमलों के सान्निध्य में आठ हजार जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया, जो देर रात तक जारी रहा। कार्यक्रम में संबोधन करते हुए कापालिक धर्म रक्षित राम ने कहा कि परमात्मा का अर्थ ऐसी संस्था है जो हर मोह से ऊपर हो और केवल निष्काम, निश्छल व निर्मल मन वालों को दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि ज्ञान, सद्गुण और परमार्थ के मार्ग पर चलने से ही मानव का परमात्मा से मिलन संभव है। इस अवसर पर आश्रम में 24 घंटे कीर्तन-भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कबाड़ में तब्दील हो रही पंचायतों में बनी गुमटियां

जांजगीर-चांपा। जांजगीर व जिला सक्ती के ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपए की लागत से बने अटल व्यवसायिक परिसर का उपयोग नहीं हो पा रहा है। शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ने पंचायतों में कॉम्पलेक्स का निर्माण कराया गया है, लेकिन कई स्थानों पर दुकाने पड़े पड़े कबाड़ हो रही हैं। कई गांव में आबंटन का पेंच फंसा होने के कारण दुकाने बंद पड़ी हैं। वहीं बहुत से ऐसे भी दुकान हैं, जिनका आबंटन होने के बाद भी उपयोग नहीं किया जा रहा। गांव के बेरोजगारों को ग्रामीण स्तर वर ही स्वरोजगार से जोड़ने करोड़ों रुपए की लागत से अटल व्यवसायिक परिसर बनाया गया है, लेकिन इन परिसरों का उपयोग सालों बाद भी नहीं हो पा रहा है। इस तरह की स्थिति बहुत से ग्राम पंचायतों में देखने को मिल रही है। बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत कमरीद में 8 लाख की लागत से पांच अटल व्यवसायिक परिसर बनाया गया है, ताकि गांव के शिक्षित युवा बेरोजगार मोबाइल कंप्यूटर किराना दुकान पान दुकान एवं अन्य संस्थानों का संचालन कर सके, लेकिन दुकानों में ताला लटका हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पिसौद में बना अटल व्यवसायिक परिसर खाली पड़ा हुआ है। बम्हनीडीह ब्लॉक के ग्राम पंचायत पोड़ीशंकर में 5 लाख की लागत से बने कॉम्पलेक्स की अधिकांश दुकाने बंद हैं। यहां के व्यवसायिक परिसर भवन का उपयोग भी नहीं किया जा रहा है, जबकि गांव में शिक्षित युवा बेरोजगारों की कोई कमी नहीं है। ग्राम पंचायत तालदेवरी में भी अटल व्यवसायिक परिसर भवन का उपयोग नहीं हो पा रहा है। ग्राम पंचायत बंसुला और लखुरी में भी अटल व्यवसायिक परिसर का उपयोग नहीं हो रहा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो राज्य शासन के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले युवा बेरोजगार गांव स्तर पर ही स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लाखों रुपए खर्च किये गए हैं, लेकिन योजना का क्रियान्वयन ग्राम पंचायतों में नजर नहीं आ रहा है।

एसआईआर के लिए अब 11 तक जमा करें फॉर्म

जांजगीर। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया में आवेदन करने की तिथि में बढ़ोतरी की है। मतदाता अब 11 दिसंबर तक फॉर्म जमा कर पाएंगे। आयोग ने पूर्व शेड्यूल को निरस्त करते हुए नया कैलेंडर लागू किया है। इसके साथ ही घर-घर सत्यापन, बूथों के पुनर्गठन, ड्राफ्ट रोल तैयार करने और क्लेम-ऑब्जेक्शन जैसे सभी चरण अब संशोधित तिथियों के अनुसार पूरे होंगे।इसके पहले एसआईआर की अंतिम तिथि 4 दिसंबर तय थी। लेकिन केवल चार दिन ही शेष थे। कई जगहों पर लोगों परेशानी हो रही है। नया शेड्यूल के अनुसार एन्यूमरेशन पीरियड(घर-घर सत्यापन) 11 दिसंबर तक, मतदान केंद्रों का पुनर्गठन 11 दिसंबर तक, ड्राफ्ट रोल तैयारी 12 से 15 दिसंबर तक, ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल प्रकाशन 16 दिसंबर, क्लेम-ऑब्जेक्शन अवधि 16 दिसंबर 2025 से 15 जनवरी, नोटिस, सुनवाई और सत्यापन 16 दिसंबर से होगी।

सभी जीवों में मनुष्य का शरीर पाना भाग्य की बात है :स्वामी युगल शरण

जांजगीर चांपा। ब्रज गोपिका सेवा मिशन द्वारा आयोजित जगद्गुरुत्तम स्वामी श्री कृपालु जी महाराज के प्रमुख प्रचारक डॉ स्वामी युगल शरण जी के द्वारा विलक्षण दार्शनिक प्रवचन का कल शुभारंभ हुआ। सर्व प्रथम आश्रमवासी सदस्य सौरभ कुमार (खड़कपुर) ने मंच संचालन करते हुए स्वामी के विषय में संक्षिप्त परिचय दिया तत्पश्चात स्वागत

स्वागत के पश्चात पूज्य स्वामी जी को मंच समर्पित किया गया और वे अपने चिर परिचित अंदाज और शैली में प्रवचन प्रारंभ किया।

पूज्य स्वामी जी मानव देह के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्वेताश्वतरो उपनिषद् का एक मंत्र -

तमेव विदित्वातिमृत्युमेति नान्यः पंथा विद्यतेऽयनाय।की व्याख्या करते हुए बताया कि भगवान को जानकर ही जीव माया से उतीर्ण हो सकता है। और इन जीवात्माओं में केवल मनुष्य ही भगवान को जान सकता है। किन्तु अनादिकाल से जीव भगवान से विमुख है और माया के सन्मुख है। तीन सनातन तत्व है। भगवान, जीव और माया ।

माया से उत्तीर्ण होने का उपाय

जीव का वास्तविक समस्या क्या है, जिसके लिए वह इतना अशांत, अतृप्त, अपूर्ण है। इसका कारण है- माया । भगवान को जानने से हमको माया से छुटकारा मिलेगा। हम जब माया पर विजय प्राप्त कर लेंगे, तब हमारा काम बन जाएगा, हमको शांति मिलेगा, हम तृप्त हो जाएँगे। माया भगवान की शक्ति है। इसलिए भगवान के कृपा बिना हम माया से उत्तीर्ण नहीं हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि मानव जीव को क्यों जानें ?84 लाख प्रकार की शरीरों में से एक मात्र मनुष्य शरीर से ही भगवान को जाना जा सकता है, प्राप्त किया जा

सकता है। जीव भगवान के अंश है। इसलिए मनुष्य शरीर पाकर यदि भगवान को नहीं जाना तो बहुत बड़ी हानि होगी और फिर करोड़ों कल्प तक मनुष्य शरीर नहीं मिलेगा और 84 लाख प्रकार योनियों में भटकना पड़ेगा।

समस्त योनियों में मनुष्य योनि सबसे दुर्लभ

वेदव्यास जी ने कहा कि मनुष्य शरीर बड़ा दुर्लभ है। शंकराचार्य ने कहा कि तीन चीज़ों का मिलना बहुत दुर्लभ है- मनुष्य शरीर, भगवान को पाने की व्याकुलता एवं महापुरुष मिलना। इन तीनों चीजों के द्वारा ही हमारा काम बनेगा। अनेक प्रकार की शरीर हैं- जलचर, स्थलचर, उभयचर, नभचर, स्वेदज, अण्डज, जरायुज । परंतु केवल मनुष्य शरीर सबसे महत्वपूर्ण है। जितने प्रकार की जीव हैं, उन्हें तीन भाग में विभक्त किया जा सकता है- जड़ जीव, मनुष्येत्तर चेतन जीव और मनुष्य । मनुष्य शरीर का कमाल यह है कि वह सब पर कण्ट्रोल करता है, भगवान को भी गुलाम बना सकता है।

केवल मानव योनि ही कर्म और ज्ञान प्रधान

आहार ,निंद्रा , भय , और विषयभोग जैसे मनुष्य में है वैसे हीं पशुओं में भी पाये जाते हैं । पशु-पक्षियों को भगवान नेचुरल ज्ञान दिया । लेकिन अच्छे-बुरे की सोच-विचार पशु-पक्षियों के पास नहीं है । जगदगुरु कृपालु महाप्रभु ने कहा कि इस चीज में मनुष्य पशु-पक्षियों से बदतर है । फिर भी मानव शरीर सबसे श्रेष्ठ क्यों है , क्योंकि मानव शरीर कर्म प्रधान है और ज्ञान प्रधान है ।

मनुष्य शरीर के दुर्लभत्व का ज्ञान परमावश्यक

रामायण में काकभुशुण्डि -गरुड़ सम्वाद में यह वर्णन है कि मनुष्य शरीर सबसे महत्वपूर्ण और मूल्यवान है। एक बार यदि आपको देह के दुर्लभत्व का पता चल जाए, किसी भी वस्तु का मूल्य का ज्ञान हो जाय, आपको पता चल जाय कि यह वस्तु मूल्यवान है, तो फिर आप उस वस्तु के प्रति लापरवाही नहीं कर सकते। यह आपके लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा।

देवताओं को भी मानव शरीर की कामना

स्वामी जी ने कहा कि के देवी-देवता भी मनुष्य शरीर चाहते हैं। पर मनुष्य शरीर देवदुर्लभ है। देवताओं के शरीर में क्या विशेषता है ? देवताओं के शरीर दिव्य यानी तेजस् है, ज्ञान का भंडार है, शरीर से खुशबू निकलता है, भूख-प्यास नहीं लगती है, उनका शरीर भूमि को स्पर्श नहीं करता, मल-मूत्र पसीना का निर्गमन नहीं होता, पलक नहीं भंजतीं आदि, देवताओं के शरीर में कितनी बड़ी-बड़ी बातें हैं। परंतु मनुष्य शरीर की ऐसी क्या विशेषता है कि इसको पाने के लिए देवतागण भी लालायित रहते हैं ? मनुष्य शरीर तो नव द्वार युक्त है, रोम-रोम से मल निकल रहा है, इतना गंदा है। फिर भी मनुष्य शरीर क्यों इतना महत्वपूर्ण है और देवता भी मनुष्य शरीर चाहते हैं। मनुष्य के पास एक बड़ी विशेष बात है जो देवताओं के पास नहीं। वह बात क्या है ? केवल मानव शरीर में सबकुछ की प्राप्ति संभव

पैसे नहीं देने पर बहन को पीटा, भाई गिरफ्तार

जांजगीर। आदतन बदमाश ने शराब के लिए पैसे की मांग करते हुए अपनी बहन और किराएदार होटल संचालक के साथ मारपीट की है। शिकायत मिलने पर जांजगीर पुलिस ने कार्रवाई की है। 3 नवंबर की रात लगभग 10 बजे आरोपी दिनेश राठौर ने घर में पैसे की मांग की। जब उसकी बहन ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपी ने गाली-गलौज किया और जान से मारने की धमकी देते बहन से मारपीट की। घटना की सूचना पर थाना जांजगीर में रिपोर्ट दर्ज की गई।

क्रशर उद्योग में चोरी करने वाले चोर एवं खरीदार गिरफ्तार

अकलतरा। अकलतरा पुलिस के द्वारा ग्राम किरारी तरौद स्थित क्रशर प्लांट में लगे केबल की चोरी के मामले में मुख्य आरोपी सहित चोरी का समान खरीदार को गिरफ्तार किया है।

इस संबंध में यह जानकारी मिली कि प्रार्थी मुकेश कुमार जैन निवासी अकलतरा के द्वारा थाना अकलतरा में किरारी स्थित क्रेशर प्लांट में लगे केबल तार, सर्विस तार, तांबा तार करीबन 400 मीटर एवं अन्य 05 क्रशर संचालकों के क्रशर में लगे कुल 1520 मीटर केबल को 25-26 नवंबर के दरम्यानी रात में अज्ञात चोर चोरी कर ले जाने के संबंध में थाना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराने पर धारा 303 (2) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। विवेचना दौरान प्रकरण में मुखबीर से सूचना मिला कि किरारी में रहने वाला पुराना आदतन चोर राजेन्द्र साहू पिता बैशाखू साहू उम्र 21 वर्ष निवासी किरारी के द्वारा दिनांक 2 नवंबर के दरम्यानी रात को किरारी 25-के आसपास के क्रेसर प्लांट में घूम रहा था जिसे अभिरक्षा में लेकर पूछताछ किया गया जो 6 अलग अलग क्रेशर प्लांट में लगे तार को चोरी करना स्वीकार किया एवं पूछताछ पर जलाया हुआ तांबा तार को शेख रिजवान उम्र 19 साल निवासी कटघोरा जिला कोरबा के पास बेचना बताया साथ ही जला हुआ तांबा तार बेचने से प्राप्त रुपए को नया कपड़ा पेंट शर्ट खरीदा एवं खपाकर खर्च कर दिया। शेख रिजवान निवासी कटघोरा कोरबा से पूछताछ पर जला हुआ तांबा तार 20 किलोग्राम बरामद किया जाकर आरोपी राजेंद्र साहू एवं शेख रिजवान के विरुद्ध धारा 303 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

पीएससी में चयनित सागर राठौर से मिलकर विधायक ने दी बधाई

जांजगीर नैला। पुरानी बस्ती जांजगीर के सागर राठौर का चयन पीएससी के माध्यम से अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के पद पर हुआ है जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने आज उनके घर जाकर सागर राठौर को बधाई दी तथा उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं की। सागर के पिताजी भानू राठौर नगर पालिका जांजगीर नैला के कर्मचारी हैं वहीं उनकी मां संध्या राठौर आंगनबाड़ी सहायिका है। सागर से मुलाकात के दौरान विधायक कश्यप ने उनसे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के समय आने वाली कठिनाईयों को जाना वहीं इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवाल पर भी विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सागर के पिता भानू राठौर, मां संध्या राठौर, सागर के मामा संजय राठौर, चितरपारा जांजगीर के वरिष्ठ नागरिक रतन लाल राठौर, ओमप्रकाश राठौर, पार्षद अरमान खान, पत्रकार राजेश सिंह क्षत्री भी उपस्थित रहे।

विधायक कश्यप के नेतृत्व में किसानों ने किया एसडीएम कार्यालय का घेराव.

जांजगीर-चांपा। नैला धान उपार्जन केन्द्र से बेजा कब्जा हटाने की मांग को लेकर सोमवार की सुबह किसानों ने जांजगीर चांपा विधायक ब्यास कश्यप के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय जांजगीर का घेराव कर दिया। मौके पर आक्रोशित किसानों का कहना था कि धान उपार्जन केन्द्र में बाऊंण्ड्रीवाल और गेट निर्माण के लिए 2023 में ही राशि स्वीकृत हो चुका है, टेण्डर हुए भी साल भर से ज्यादा बीत चुका है, नगर पालिका की ओर से भी तीन बार अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया जा चुका है जिसके बाद भी प्रशासन अतिक्रमण हटाने में रूचि नहीं ले रहे हैं, उन्होंने साफ चेतावनी दी की बिना अतिक्रमण हटाए नैला धान उपार्जन केन्द्र में धान खरीदी ना किया जाए तथा तत्काल अतिमक्रण हटाया जाए। एसडीएम के टीएल बैठक में होने की वजह से तहसीलदार और नायब तहसीलदार ने कल अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया जिस पर भी किसान नहीं मांगे जिसपर तहसीलदार मरावी ने विधायक ब्यास कश्यप को एसडीएम से फोन पर बात कराया जिसमें एसडीएम ने भी हर हाल में कल सदलबल जाकर नैला धान उपार्जन केन्द्र से अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया जिसके बाद किसान वापस अपने घर लौटे।

कुष्ठ रोग उन्नमूलन को लेकर दो दिवसीय दिया गया प्रशिक्षण

जांजगीर-चांपा। समुदाय में कुष्ठ रोग के संक्रमण को रोकने प्रत्येक रोगी की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर इलाज किए जाने और रोक प्रसार में नियंत्रण कुष्ठ संबंधी विकलांगता से बचाव विषय को लेकर स्थानीय होटल में दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। 26 एवं 27 नवम्बर को राज्य स्तर से नामित मास्टर ट्रेनर टीएलएम चाम्पा एवं जिला कुष्ठ अधिकारी व टीम द्वारा 151 आरएचओ एवं सीएचओ को प्रशिक्षित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यूके मरकाम ने बताया कि कुष्ठ रोग शरीर में धीमी गति से बढ़ता है और इसके स्पष्ट लक्षण दिखाई देने में कुछ सप्ताह से 20 वर्षों का समय लग सकता है। कुष्ठ का लक्षण पता चलते ही चिकित्सा अधिकारी से पुष्टि कराकर नए कुष्ठ रोगियों का रिकार्ड संधारण कर एमडीटी उपचार से समय पर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कुष्ठ खोज अभियान एलसीडीसी को ध्यान में रखते हुए कुष्ठ संकास्पद की पहचान एवं कार्यक्रम संबंधी अन्य आवश्यक गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. यशपाल खन्ना ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार पीबी मामलों के लिए एनएलईपी के तहत मौजूदा दो-दवा व्यवस्था की जगह एक नई तीन दवा व्यवस्था शुरूवात की गई है। संशोधित उपचार व्यवस्था का उद्देश्य उपचार के प्रभावकारिता को बढ़ाना एवं संक्रमण को रोकना हैं। बीएलहोम चाम्मा की अधीक्षक डॉ. रूबी मार्सेला ने प्रोजेक्टर के माध्यम से कुष्ठ रोग की पहचान, जांच-उपचार वर्गीकरण, डीपीएमआर, पीईपी के विस्तृत जानकारी दी। डॉ. रश्मि नायक ने कुष्ठ रोगियो का पहचान, जांच उपचार, एमडीटी की पूर्ण खुराक, रिएक्शन, न्यूराईटिश, विकृति से बचाव, आरसीएस ऑपरेशन के संबंध में जानकारी दी। एनएमए केके थवाईत, ने बताया कि ब्लॉक अकलतरा 30, बम्हनीडीह 29, पामगढ़ 26, बलौदा 29 एवं नवागढ़ 37-151 आरएचओ एवं सीएचओ को कुष्ठ उन्मलून अंतर्गत एलसीडीसी कुष्ठ खोज अभियान को ध्यान में रखते हुए कुष्ठ संदेहास्पद की पहचान एवं कार्यक्रम संबंधी अन्य आवश्यक गतिविधियों के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर ने एसडीएम को किया सम्मानित

जांजगीर। जिलाअधिवक्ता संघ जांजगीर ने वार्षिक खेल का आयोजन किया था जिसमें खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी जांजगीर द्वारा जिलाअधिवक्ता संघ को खेल संपन्न कराने में विशेष योगदान के लिए जिलाअधिवक्ता संघ के सांस्कृतिक एवं कीड़ा विभाग द्वारा जांजगीर अनुविभागीय अधिकारी को उनके उत्कृष्ट सहयोग के लिए प्रशस्ति पत्र लेकर सम्मानित किया सम्मानित करने के जिलाअधिवक्ता संघ जांजगीर के सांस्कृतिक एवं क्रीडा सचिव अनिल राठौर एवं संघ के उपाध्यक्ष विनीत राठौर संघ के सहसचिव इंद्रजीत राठौर संघ के वरिष्ठ सदस्य रामखीलावन राठौर अविनाश राठौर,धर्मेंद्र राठौर एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

जिला अधिवक्ता संघ द्वारा अधिवक्ता गणेश गुजराल का सम्मान

जांजगीर चांपा। विगत 27 नवंबर को जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर के तत्वाधान में अधिवक्ता संघ जांजगीर के सदस्य गणेश गुजराल का स्टेट बार कौंसिल में सदस्य निर्वाचित होने पर सम्मान कार्यक्रम तथा अधिवक्ता संघ के तत्वाधान में विभिन्न खेल के आयोजन के सम्पन्न होने पर पुरस्कार वितरण का कार्यकम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जांजगीर चांपा शक्तिसिंह राजपूत के मुख्य आतिथ्य तथा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जांजगीर सुश्री संघरत्ना भतपहरी की अध्यक्षता में गौरवपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम अधिवक्ता संघ के सदस्य गुजराल का स्टेट बार कौंसिल छ0ग0 में सदस्य निर्वाचित होने पर उनका शाल और श्रीफल से अभिनन्दन किया गया तत्पश्चात् जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर के द्वारा आयोजित विविध कीड़ा प्रतियोगिता किकेट, बैडमिंटन, शतरंज, कुर्सी दौड़ इत्यादि खेलों के लिए विजेता टीम एवं प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। जिसमें उल्लेखनीय रूप से न्यायिक कर्मचारी संघ को किकेट के लिए एकल बैडमिंटन के लिए अधिवक्ता साकेत केशरवानी को युगल बैडमिंटन के लिए अजय केशरवानी अधिवक्ता एवं उनके साथी को शतरंज खेल के लिए अधिवक्ता अनूप मजूमदार को एवं कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता के लिए श्रीमती उषा शांडिल्य को पुरस्कार दिया गया इसके लिए उक्त खेल को सफल बनाने वाले सदस्यों, न्यायिक अधिकारियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम को अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष केशरवानी ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजपूत सहाब ने तथा अधिवक्ता गणेश गुजराल ने संबोधित किया। अपने उद्बोधन में प्रधान जिला न्यायाधीश ने अधिवक्ता गुजराल को सदस्य निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामना संदेश अर्पित किये तथा विभिन्न प्रतिभागियों को भी शुभकामना संदेश दिए। अधिवक्ता गुजराल ने अपने विजय को संघ का आशीर्वाद बताया और अपने कर्तव्यों को अनवरत् करते रहने का विश्वास दिलाया। आभार प्रदर्शन सचिव योगेश गोपाल ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता कमलेश कुमार मिश्रा ने किया।

8 लाख दिलाने का झांसा देकर फर्जी वकील बनकर एक लाख रुपए की धोखाधड़ी

जांजगीर-चांपा। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम खोखरा निवासी एक व्यक्ती के पत्नी की करेंट से मृत्यु हो गई। इस मामले में 8 लाख रुपए दिलाने का झांसा देकर वकील होने की बात कहते हुए 1 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले पवन चतुर्वेदी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग पीड़ित ने थाना प्रभारी व पुलिस अधीक्षक से की है। थाना प्रभारी के नाम सौंपे शिकायत पत्र के माध्यम से खोखरा निवासी प्रेमलाल यादव पिता बईहा यादव ने बताया कि उसकी पत्नी लच्छन बाई की मृत्यु बिजली करेंट से 23 जुलाई 2023 को हो गई। गांव के ही पवन चतुर्वेदी उसके घर आया और वकालत करने की बात कहते हुए पत्नी की मृत्यु करेंट से होने के मामले में 8 लाख रुपए दिलाने की बात कही। इसके एवज में उसने दो किस्त में 1 लाख रुपए प्रार्थी से लिए। पैसे देने के बाद काम नहीं होने पर प्रार्थी प्रेमलाल ने पवन चतुर्वेदी से मिलकर 8 लाख रुपए दिलाने व कागजात वापस करने की मांग की। तब उसने फिर से इधर उधर की बात कहते हुए टालमटोल करने लगा। कोतवाली थाना प्रभारी के नाम सौंपे शिकायत पत्र में प्रेमलाल ने बताया कि गांव वालों से उससे पता चला है कि पवन चतुर्वेदी वकील नहीं है। उसके पास वकालत संबंधी कोई कागजात भी नहीं है। प्रेमलाल ने एसपी व थाना प्रभारी से पवन चतुर्वेदी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

15 साल में 736 एचआईवी पॉजिटिव मिले, इस साल 38 संक्रमित

जांजगीर। जिले में हर साल एचआईवी संक्रमित मरीज सामने आ रहे हैं। जागरूकता की कमी के कारण लोग आज भी एड्स जैसी जानलेवा बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। जांजगीर-चांपा जिले में वर्ष 2011 से अब तक, यानी पिछले 15 वर्षों में डेढ़ लाख रक्त नमूनों की एचआईवी जांच की गई, जिनमें 736 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। इनमें सर्वाधिक संख्या पुरुषों की है।

लापरवाही और जागरूकता के अभाव का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष केवल 10 महीनों में 38 नए एचआईवी संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें 25 पुरुष, 10 महिलाएं और 7 गर्भवती महिलाएं शामिल हैं। गर्भवती महिलाओं का संक्रमित मिलना मदर-टू-चाइल्ड ट्रांसमिशन के बढ़ते जोखिम का संकेत है।

शहर में तीन दिवसीय नागलीला मड़ई मेला का आयोजन कल से

जांजगीर। जाज्वल्य देव के पावन धाम जांजगीर में स्थित ऐतिहासिक भीमा तालाब परिसर में इस बर्ष भव्य तीन दिवसीय श्री कृष्ण नागलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव 2 दिसंबर से 4 दिसंबर तक विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भव्य मड़ई मेले के साथ मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, भव्य मड़ई मेला, स्थानीय कला, संगीत और लोक संस्कृति का प्रदर्शन होगा। वही इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के अनुसार 2 दिसंबर उद्घाटन दिवस पर रात्रि 8 बजे से लोकप्रिय लोक गायिका बैजंती यादव की प्रस्तुति होगी। कृष्ण नागलीला की अद्भुत झांकियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस दिन मुख्य आकर्षण रहेंगे। 3

कवि दिसंबर शाम 6 बजे प्रसिद्ध गुजराती लोक कलाकार भरथरी गायिका हेमलता पटेल (बालोद) अपनी प्रस्तुति देंगी, 3 दिसम्बर सम्मेलन, रात्रि 8 बजे से विशाल कवि सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए सुप्रसिद्ध कवि अपनी रचनाओं से समा बांधेंगे, 4 दिसंबर समापन दिवस पर रात्रि 8 बजे से लोकप्रिय लोक गायिका अलका चंद्राकर अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगी और अ महोत्सव का समापन किया जाएगा। उ महोत्सव के दौरान मड़ई मेला, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण नागलीला की आकर्षक झांकियां है विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। जिला हु मुख्यालय जांजगीर के हृदय स्थल में कचहरी चौक में मीना बाजार भी लगाया जा रहा है।

प्राथमिक शाला के अतिरिक्त भवन का भूमिपूजन

राहौद। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 12 में प्राथमिक शाला के लिए प्रस्तावित अतिरिक्त भवन का भूमि पूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिभा दीपक कश्यप, उपाध्यक्ष गयाराम चंदेल और सभापति संतोष यादव ने पूजा-अर्चना कर भवन निर्माण कार्य की शुरुआत की। अध्यक्ष प्रतिभा कश्यप ने बताया कि नए भवन के निर्माण से विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर और समुचित शिक्षा सुविधाएं मिलेंगी। कक्षाओं की कमी के कारण विद्यार्थियों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

अनमोल वचन......

संसार को कौल प्रकाश देगा, अतीत का आधार त्याग ही था और भविष्य में सम्पन्न सैकड़ों बुद्धों की आवश्यकता है।

ट्रेड यूनियनों का संघर्ष

मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए चार श्रम संहिताओं के खिलाफ ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है।

संसद से पारित होने के बाद चार श्रम संहिताओं को लागू करने में सरकार को लगभग छह साल लगे, तो उसका यही संकेत है कि इनको लेकर संबंधित पक्षों के बीच कैसे टकराव की स्थिति रही है। सत्ता पक्ष की हालिया चुनावी सफलताओं के बाद संभवतः केंद्र ने महसूस किया है कि इन संहिताओं को लागू करने का यह अनुकूल मौका है। केंद्र का दावा है कि इन संहिताओं के जरिए पुराने पड़ गए श्रम कानूनों को आधुनिक और मौजूदा वैश्विक प्रतिमानों के अनुरूप बनाया गया है। दावा तो यह भी है कि इनमें श्रमिकों के कल्याण के नए और प्रभावी उपाय शामिल किए गए हैं।

मगर दस ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच की प्रतिक्रिया पर गौर करें, तो यह साफ होता है कि श्रम क्षेत्र के अनेक प्रमुख हितधारक ऐसे दावों से सहमत नहीं हैं। उनकी दलील है कि इन संहिताओं का मकसद मजदूरों एवं कर्मचारियों की सामूहिक सौदेबाजी की वैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना है। इन संहिताओं के तहत ट्रेड यूनियन बनाना, उनकी सामूहिक शक्ति के जरिए अपनी मांगों को रखना या हड़ताल पर जाना बेहद कठिन हो जाएगा। यानी श्रमिक वर्ग पूरी तरह प्रबंधन और सरकार की सदाशयता पर निर्भर हो जाएगा। संयुक्त मंच ने याद दिलाया है कि इन संहिताओं के खिलाफ गुजरे वर्षों में उसने कई आंदोलन किए। मंच ने इसी गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिल कर देश भर में विरोध जताने का एलान किया है। साथ ही विरोध प्रदर्शन के कई अन्य कार्यक्रम भी उसने घोषित किए हैं। यह निर्विवाद है कि मौजूदा हालात में सरकारी नीतियों से प्रभावित किसी तबके लिए संघर्ष करना या अपनी मांगें मनवाना आसान नहीं रह गया है। इसलिए ट्रेड यूनियनों का संघर्ष भी बहुत प्रभाव छोड़ पाएगा, इसकी संभावना कम है। फिर भी बिना उन्हें भरोसे में लिए श्रम संहिताओं को लागू कर सरकार ने टकराव का एक नया मोर्चा खोल दिया है। बेहतर होता, भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) की बैठक बुलाकर अधिकतम सहमति बनाने की कोशिश की जाती। मगर केंद्र ने इसकी जरूरत नहीं समझी। इससे श्रम एवं पूंजी के बीच नया तनाव पैदा हो सकता है।

राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है।

वृष राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं। ज

कर्क राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे। जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे।

कन्या राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी, जिससे आपके चेहरे पर पूरे दिन मुस्कान बनी रहेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी। आज आपका आत्मविश्वास मजबूत बनेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर को अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

धनु राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है।

मीन राशि- आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

मजदूरों की मुश्किलें

//अजीत द्विवेदी//

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का एक स्थायी दावा होता है कि वह जो भी काम कर रही है वह सबसे बड़ा काम है या ऐसा काम पहले कभी नहीं हुआ। तभी छह साल पहले 2019 में भारतीय संसद से पास चार श्रम कानूनों को लागू करते हुए ऐसा ही दावा किया गया है। हैरानी की बात है कि अनेक मीडिया समूह भी अपने संपादकीय में इन कानूनों को इसी रूप में पेश कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में किसी भी केंद्र सरकार द्वारा किया गया सबसे बड़ा आर्थिक सुधार है। ध्यान रहे अब तक 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव और उनके वित्त मंत्री मनमोहन सिंह की ओर से लागू किए गए उदारीकरण के फैसले को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार माना जाता रहा है। अब उसकी जगह श्रम कानूनों को सबसे बड़ा आर्थिक सुधार बताया जा रहा है। लेकिन सवाल है कि क्या यह सबसे बड़ा कथित आर्थिक सुधार भारत की अर्थव्यवस्था को वैसे ही बदल पाएगा, जैसे 1991 के आर्थिक सुधारों ने बदला था? और क्या इससे श्रमिकों की हालत में कोई गुणात्मक परिवर्तन आएगा? इसकी संभावना कम है।

बुनियादी रूप से ये चारों कानून कोई बड़ा बदलाव नहीं कर रहे हैं। इनकी जो एकमात्र बड़ी खासियत दिखाई दे रही है वह ये है कि पहले से मौजूद 29 केंद्रीय कानूनों को इन चार कानूनों में समेटा गया है। इस आधार पर दावा किया जा रहा है कि पहले इन 29 कानूनों की वजह से उद्योग व कारोबारी समूहों को इनके अनुपालन में समस्या आती थी तो दूसरी ओर श्रमिकों के लिए जरूरी लाभ उपलब्ध कराना मुश्किल होता था। लेकिन असली सवाल तो यह है कि इससे मजदूरों को कैसे फायदा होगा। इस सवाल पर विचार से पहले चारों कानूनों के बारे में संक्षेप में जानना जरूरी है। ये चार कानून वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता हैं।

पहला कानून यानी वेतन संहिता यह सुनिश्चित करेगा कि सभी मजदूरों को एक निश्चित वेतन मिले, वेतन समय पर मिले और वह उचित हो। पहले वेतन, भत्ता, पेंशन, बोनस आदि के लिए अलग अलग कानून थे, जिससे परेशानी होती थी। इसमें एक खास बात यह है कि महिलाओं को पुरुषों के समान काम के लिए समान वेतन का प्रावधान किया गया है। हालांकि उचित और समय पर वेतन मिलना कैसे सुनिश्चित होगा यह कानून लागू होने के बाद पता चलेगा। दूसरा कानून औद्योगिक संबंध संहिता हैं, जिसके तहत कर्मचारी और कंपनी के संबंधों की व्याख्या की गई है और साथ ही दोनों के बीच विवाद के त्वरित निपटान की व्यवस्था भी बनाई गई है। इसमें हड़ताल और विरोध प्रदर्शन के नियम भी शामिल किए गए हैं और सबसे ज्यादा विरोध इसी नियम का हो रहा है।

तीसरा कानून सामाजिक सुरक्षा संहिता का है, जिसमें असंगठित मजदूरों, ऐप आधारित सेवाओं में काम करने वाले लोग, जिन्हें गिग वर्कर्स कहा जा रहा है उनके लिए जरूरी प्रावधान किए गए हैं। इस कानून में कहा गया है कि कंपनियां इनके लिए सामाजिक सुरक्षा फंड बनाएंगी। इस कानून के जरिए स्वास्थ्य, बीमा और मातृत्व सुविधा जैसे लाभों को हासिल करना आसान बनाया जाएगा। चौथा और अंतिम कानून व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य व कार्य शर्तें संहिता है, जिसमें कर्मचारियों, मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रावधान है साथ ही कार्यस्थल पर होने वाली परेशानियों को दूर करके उसे बेहतर बनाने के उपाय भी किए गए हैं। पहले से मौजूद 13 कानूनों मिला कर इसे बनाया गया है। इसमें महिलाओं के रात में काम करने का प्रावधान भी किया गया है।

दावा किया जा रहा है कि यह अद्भुत संतुलन वाला कानून है, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों को भी फायदा होगा तो उद्योग समूहों को भी लाभ होगा। सवाल है कि जब दोनों के लिए फायदे वाला कानून है तो इसे लागू करने में सरकार को छह साल क्यों लग गए? दूसरा सवाल यह है कि अगर ये कानून मजदूरों के हित में हैं तो देश के ज्यादातर बड़े मजदूर संगठन इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? असल में संसद में पास करने से लेकर इनके नियम बना कर इन्हें लागू करने तक जब भी इन कानूनों की बात होती है तो दावा किया जाता है कि इनसे मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा मिलेगी, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा मिलेगी, समय पर व उचित वेतन मिलेगा तो दूसरी ओर कंपनियों को एक ऐसा सरल ढांचा मिलेगा, जिसके अनुपालन में उनको कोई समस्या नहीं आएगी। लेकिन यह सिर्फ सदिच्छा है। वास्तव में इसका कितना लाभ मिलता है यह इन कानूनों के अनुपालन के बाद पता चलेगा। परंतु उससे पहले इस कानून के कई प्रावधान ऐसे हैं, जिनको मजदूर फ्रेंडली कतई नहीं माना जा सकता है। उनसे ऐसा प्रतीत होता है कि मजदूरों को नियमों में बांधने, उनके विरोध करने की क्षमता को कम करने और उनकी नौकरी को असुरक्षित बनाने के प्रावधान इन कानूनों में निहित हैं। मिसाल के तौर पर औद्योगिक संबंध संहिता में प्रावधान किया गया है कि तीन सौ तक मजदूर और कर्मचारी वाला उद्योग सरकार की अनुमति के बगैर छंटनी कर सकता है। पहले एक सौ मजदूरों तक की कंपनियों को यह छूट मिली थी। यह दायरा बढ़ाने का मतलब है कि देश की ज्यादातर कंपनियां और उद्योग अपने यहां पहले से ज्यादा आसानी से छंटनी कर पाएंगे। इसमें लगभग पूरा एमएसएमई सेक्टर आ जाता है। ध्यान रहे भारत में ज्यादातर कंपनियां इतने की मजदूरों या कर्मचारियों वाली हैं। इसका मतलब है कि सरकार ने ज्यादातर मजदूरों को कंपनियों की मर्जी के हवाले कर दिया है।

इतना ही नहीं मजदूरों के हड़ताल या विरोध प्रदर्शन के अधिकार को भी सीमित कर दिया गया है। नए कानून में प्रावधान है कि हड़ताल से 60 दिन यानी दो महीने पहले नोटिस देना होगा। सोचें, अगर कर्मचारी या मजदूर अपनी किसी समस्या के लिए तत्काल विरोध प्रदर्शन या हड़ताल नहीं कर पाएंगे तो उनकी समस्या को निराकरण कैसे होगा। आवश्यक सेवाओं पर लागू होने वाले कानून को हर तरह के मजदूरों और कर्मचारियों पर लागू कर दिया गया है। इससे उनके विरोध प्रदर्शन को नियंत्रित करना आसान हो जाएगा। इतना ही नहीं कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि यूनियन की मान्यता पाने के लिए कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या के 10 फीसदी या एक सौ मजदूरों का, जो भी ज्यादा हो, उसमें शामिल होना जरूरी है। इससे छोटी यूनियन के समाप्त होने का खतरा है।

सामाजिक सुरक्षा वाले तीसरे कानून में गिग वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड की बात कही गई है। लेकिन यह फंड कैसे बनेगा? कंपनियां कितना योगदान करेंगी और मजदूरों को उसका लाभ कैसे मिलेगा इस बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है। इसी तरह व्यावसायिक सुरक्षा वाले चौथे कानून में रोज के काम के घंटे का विस्तार 12 घंटे तक कर दिया गया है। कंपनियां आठ से 12 घंटे काम करा सकेंगी। हालांकि एक हफ्ते में काम की अधिकतम सीमा 48 घंटे निर्धारित है लेकिन सबको पता है कि इस सीमा का पालन कहीं नहीं होता है। नया कानून लागू होने के बाद कंपनियां लंबे कार्य दिवस लागू कर सकती हैं, जिससे मजदूरों का शोषण बढ़ेगा।

असल में नए श्रम कानून जैसा कि हमेशा होता है उद्योग समूहों और निवेशकों के हितों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इनका मकसद ज्यादा से ज्यादा निवेश आकर्षित करना और उद्योग समूहों का विस्तार करना है। सभी सरकारें मानती रही हैं कि उद्योगों का विकास होगा, निवेश बढ़ेगा तो रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और संपन्नता आएगी। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर कानून शोषण और गैर बराबरी को बढ़ाता है। ये कानून भी अपवाद नहीं हैं। इनमें भी फिक्स्ड टर्म नौकरी पर जोर दिया गया है, जिसका मतलब है कि स्थायी नौकरियां कम होंगी और ठेके पर काम ज्यादा उपलब्ध होगा। इससे सामाजिक सुरक्षा बढ़ेगी नहीं कम होगी। इसी तरह कंपनियां नियमों का कैसे अनुपालन करती हैं उसकी जांच और निगरानी की व्यवस्था कमजोर कर दी गई है। कई मामलों में तो कंपनियों को स्व प्रमाणन यानी सेल्फ सर्टिफिकेशन की सुविधा दी गई है। श्रम कानूनों को अनुपालन में आसान और लचीला बनाने वाले तर्क अपनी जगह हैं। लेकिन काम के घंटे बढ़ाने, छंटनी के नियम आसान करने, यूनियन बना कर हड़ताल करने के नियम सख्त करने और निगरानी की व्यवस्था को कमजोर करने से अंततः मजदूरों की मुश्किलें बढ़ेंगी और उद्योग समूहों को उनके शोषण का अधिकार मिलेगा।

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप

//बलबीर पुंज//

जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप रहता है, जबकि जिहाद से निर्णायक संघर्ष तभी संभव है, जब उसके मूल विचारों पर सीधी बहस की जाए। क्या मौजूदा दौर में ऐसा संभव है? कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल-फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान-सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने यह मार्ग क्यों अपनाया। 10 नवंबर की शाम राजधानी दिल्ली एक फिदायीन आतंकी हमले से दहल उठी। लालकिला मेट्रो स्टेशन के बाहर चलती कार में हुए भीषण विस्फोट से कई निर्दोष हताहत हो गए। यह हमला एक बार फिर से जिहाद पर बनी पुरानी धारणाओं को चुनौती दे रहा है। साथ ही यह भी सोचने पर मजबूर कर रहा है कि आखिर सभ्य समाज इसपर आजतक निर्णायक विजय क्यों नहीं पा सका है।

पिछले कुछ दशकों में भारत जब भी आतंकवाद का शिकार हुआ, तब इसे वामपंथी मुस्लिम समाज में व्याप्त 'अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी' से जोड़ देते है। यदि ऐसा ही है, तो कश्मीरी डॉक्टर उमर नबी, अनंतनाग अस्पताल में डॉक्टर आदिल अहमद राठर, फरीदाबाद के अल-फलाह अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर मुजम्मिल अहमद गनई और लखनऊ निवासी महिला डॉक्टर शाहीन सईद जैसे शिक्षित, संपन्न और समाज में मान-सम्मान पाने वाले मुस्लिमों ने जिहाद का मार्ग क्यों अपनाया?

दरअसल, इस्लाम में जिहादी सोच को मजबूती देने में मदरसा शिक्षा पद्धति की बड़ी भूमिका है। अधिकतर मुस्लिम परिवारों के बच्चे प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा यही ग्रहण करते है, जिसका माहौल कट्टरपंथी इस्लामी पहचान तक सीमित– अर्थात् 'काफिर-कुफ्र-शिर्क' अवधारणा से युक्त और सह-अस्तित्व प्रेरित बहुलतावाद से मुक्त रहता है। अक्सर आधुनिकीकरण के नाम पर मदरसों में छात्रों को गणित, विज्ञान और कंप्यूटर आदि विषयों को भी पढ़ाया जाता है। वास्तव में, यह विषय केवल माध्यम हैं– इनका उपयोग या दुरुपयोग लोगों की मानसिकता पर निर्भर करता है।

यही कारण है कि डॉ.उमर, डॉ.आदिल, डॉ.मुजम्मिल और डॉ.शाहीन आधुनिक शिक्षा ग्रहण करने के बाद भी जिहाद का रास्ता नहीं छोड़ पाए। भारत सहित शेष विश्व में इस तरह के उच्च-शिक्षित (डॉक्टर-प्रोफेसर सहित) जिहादियों की एक लंबी फेहरिस्त है। न्यूयॉर्क के भीषण 9/11 आतंकी हमले के गुनहगार (लादेन सहित) आधुनिक शिक्षा में दक्ष थे। कड़वा सच यह है कि जब जिहादी मानसिकता का मेल विज्ञान-गणित-कंप्यूटर से होता है, तो वह और भी अधिक खतरनाक हो जाता है।

दिल्ली में हालिया जिहादी हमले की कड़ियां कश्मीर से लेकर हरियाणा और उत्तरप्रदेश तक जुड़ी है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने डॉ.आदिल को श्रीनगर की दीवारों पर आतंकी संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' के पर्चे चिपकाने के आरोप में 6 नवंबर को उत्तरप्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने अस्पताल स्थित उसके लॉकर की तलाशी ली, तो वहां से एके-47 सहित कई हथियार बरामद हुए।

पूछताछ में डॉ.मुजम्मिल का नाम सामने आया, जिसके फरीदाबाद स्थित किराए के मकान से 2,900 किलोग्राम विस्फोटक, हथियारों का जखीरा और बम बनाने के उपकरणों को जब्त किया गया। इसी कार्रवाई में पुलिस ने डॉ.शाहीन को भी घातक हथियारों के साथ धरदबोचा। हालिया जिहादी वारदात में जिस कार का इस्तेमाल हुआ, उसे बकौल जांचकर्ता डॉ.उमर चला रहा था।

यह जिहादी मानसिकता केवल फिदायीन हमले तक सीमित नहीं है। गुजरात पुलिस ने हाल ही में डॉ.अहमद मोहिउद्दीन सैयद को उसके दो सहयोगियों के साथ गिरफ्तार किया था। सैयद अरंडी के बीजों से घातक राइसिन जहर बना रहा था, जिसे पानी-भोजन में मिलाकर बड़े नरसंहार को अंजाम देने की योजना थी।

क्या धन-दौलत के लिए मुस्लिम समाज का एक वर्ग जिहाद का रास्ता अपनाता है? सच तो यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप (भारत सहित) में एक बड़ा मुस्लिम वर्ग उन्हीं इस्लामी आक्रांताओं– गजनवी, गोरी, बाबर, औरंगजेब, अब्दाली, टीपू सुल्तान आदि को अपना 'नायक' या फिर स्वयं को उनका 'वैचारिक-उत्तराधिकारी' मानता है, जिन्होंने 'काफिर-कुफ्र' चिंतन से प्रेरित होकर भारत में असंख्य हिंदुओं का कत्लेआम किया, उनकी महिलाओं से बलात्कार किया, उनके हजारों मंदिरों को तोड़ा और सांस्कृतिक प्रतीकों-मानबिंदुओं को रौंदा। इस वर्ग की धारणा है कि भारतीय उपमहाद्वीप के अधूरे 'गजवा-ए-हिंद' का मजहबी दायित्व उसपर है।

वास्तव में, बीते दशकों में हुए अनेकों जिहादी हमलों (26/11 सहित) की प्रेरणा और शताब्दियों पूर्व भारत में इस्लामी आक्रांताओं का चिंतन– एक ही है। इसका एक विवरण वर्ष 1908 में जी.रुस-केपेल और काजी अब्दुल गनी खान द्वारा अनुवादित 'तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवी' पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार, जब महमूद गजनवी (971-1030) को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर नष्ट नहीं करने के बदले अपार धन देने की पेशकश की, तो उसने कहा– हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूर्तियों को पूरी तरह से हटाना हैज इसी प्रकार वर्ष 1398 में भारत पर आक्रमण कर लाखों निर्दोष हिंदुओं का नरसंहार करने वाले तैमूर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुक-ए-तैमूरी' में लिखा था– हिंदुस्तान आने का मेरा एक उद्देश्य काफिरों से जिहाद और सवाब अर्जित करना है। यहां तक, बाबर ने जिहाद की बुनियाद पर 'काफिर' हिंदू राजा राणा सांगा को पराजित करके मुगल साम्राज्य की स्थापना की और खुद को 'गाजी' घोषित किया था।

बीते कुछ समय से एक और विषाक्त नैरेटिव बनाया जा रहा है, जिसमें मुस्लिम समाज में व्याप्त 'असहिष्णुता', 'कट्टरता' और 'आक्रमकता' को मोदी सरकार की नीतियों से जोड़ दिया जाता है। यदि ऐसा है, तो 1947 में देश का मजहब के नाम पर रक्तरंजित विभाजन क्यों हुआ? क्यों इसे गांधीजी-नेहरू-पटेल नहीं रोक पाए? 1980-90 के दौर में मुस्लिम बहुल घाटी में कश्मीरी पंडितों का नरसंहार-पलायन क्यों हुआ?

क्यों कोलकाता (1993), भारतीय संसद (2001), गांधीनगर (2002), मुंबई (1993, 2006, 2008 और 2011), कोयंबटूर (1998), दिल्ली (2005 और 2008), जयपुर (2008), अहमदाबाद (2008), पुणे (2010), वाराणसी (2010), हैदराबाद (2013), बोधगया (2013) आदि शहरों में जिहादी हमले हुए? वास्तव में, यह सभी आतंकवादी कृत किसी 'उकसावे' का परिणाम नहीं, बल्कि इसलिए हुए क्योंकि वर्तमान भारत में आज भी 'मूर्तिपूजा' और 'बहुलतावाद' स्वीकार्य है, जिसे जिहादी अवधारणा में 'अक्षम्य अपराध' माना गया है, जिसकी सजा केवल मौत है।

भारत वह भूमि है, जहां परंपरा-आधुनिकता साथ-साथ चलती हैं और अनादिकाल से संवाद की स्वतंत्रता है। इसलिए वेद, रामायण, महाभारत और मनुस्मृति आदि ग्रंथों पर खुली चर्चा होती है। परंतु यह खुलापन इस्लाम में नहीं है– जिसका दंश नूपुर शर्मा, तस्लीमा नसरीन, सलमान रुश्दी आदि झेल रहे है। जिहाद की बौद्धिक जड़ों पर सभ्य समाज प्रायः चुप रहता है, जबकि जिहाद से निर्णायक संघर्ष तभी संभव है, जब उसके मूल विचारों पर सीधी बहस की जाए। क्या मौजूदा दौर में ऐसा संभव है?

तस्वीरों की दुनिया

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कुरुक्षेत्र में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का गर्मजोशी से स्वागत किया।

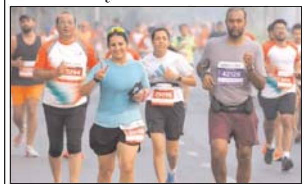

अहमदाबाद में अडानी अहमदाबाद मैराथन के 9वें एडिशन में हिस्सा लेते प्रतिभागी।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को कुरुक्षेत्र के मां भद्रकाली शक्तिपीठ मंदिर में सम्मानित किया गया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को नई दिल्ली में संसद भवन में फ्लोर लीडर्स मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए।

वसंत कुंज रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के निवासी को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 मंजिला तीन मल्टी-स्टोरी टावरों के कंस्ट्रक्शन के खिलाफ प्रोटेस्ट करते हुए।

श्रीलंका के लिए ऑपरेशन सागर बंधु के हिस्से के तौर पर मानवीय सहायता भेजी जा रही है।

इंडियन एयर फोर्स के लोग तूफ़ान से प्रभावित श्रीलंका में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए हेलीकॉप्टर में सवार हुए।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से, एसआईआर के मुद्दे पर हंगामे के आसार, विपक्ष ने बनाया प्लान

नईदिल्ली, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो रहा है और यह सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। एक तरफ जहां सरकार इस दौरान सरकार परमाणु ऊर्जा क्षेत्र, उच्च शिक्षा ढांचा सुधार और कॉरपोरेट/शेयर बाजार विनियम समेत 10 महत्त्वपूर्ण विधेयक रखने जा रही है। वहीं, दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारियों में है। संसद के शीतकालीन सत्र में परमाणु ऊर्जा विधेयक-2025 के साथ 9 नए बिल पेश होने हैं। सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश करने के लिए नौ आर्थिक विधेयकों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें बीमा कानूनों में संशोधन करने वाला एक विधेयक और तंबाकू तथा पान मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं पर कर और उपकर लगाने से संबंधित दो अन्य विधेयक शामिल हैं।साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों का पहला बैच शीतकालीन सत्र (1-19 दिसंबर) के दौरान पेश किया जाएगा। आगामी सत्र के लिए संसद सदस्यों को भेजी गई विधेयकों की सूची के अनुसार, सरकार नई पीढ़ी के वित्तीय सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने के लिए बीमा कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश करने की योजना बना रही है। अब तक बीमा क्षेत्र ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के माध्यम से 82,000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है।इसके अलावा, केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 और 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को सोमवार को लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। विधेयक में सिगरेट जैसे तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने का प्रावधान है, जो जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025पान मसाला पर लगने वाले मुआवजा उपकर की जगह लेगा। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए होने वाले खर्च को पूरा करने के लिए संसाधन बढ़ाना और उन मशीनों या प्रक्रियाओं पर उपकर लगाना है जिनसे निर्दिष्ट वस्तुओं का निर्माण या उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में तंबाकू और पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाता है, और इसके साथ ही अलग-अलग दरों पर मुआवजा उपकर भी वसूला जाता है।

इसके अलावा, प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025 को पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। यह विधेयक व्यापार में आसानी के लिए एक एकीकृत प्रतिभूति बाज़ार संहिता सुनिश्चित करेगा।

संसद के शीतकालीन सत्र के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। इस बैठक में दोनों सदनों के विधायी कार्यों और विभिन्न विषयों को लेकर चर्चा की गई। सर्वदलीय बैठक में सरकार की ओर से क्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्यसभा में सदन के नेता एवं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए। वहीं, विपक्ष की ओर से कांग्रेस के प्रमोद तिवारी, कोडिकुनिल सुरेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, समावादी पार्टी के अखिलेश यादव, द्रमुक के तिरुचित शिवा और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए। बता दें कि सर्वदलीय बैठक से पहले कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि सत्र के दौरान विपक्ष निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत से सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा कथित तौर पर चोरी किए जाने का मुद्दा उठाएगा।

शेख हसीना ने 2009 में बांग्लादेश में सामूहिक नरसंहार का आदेश दिया था, आयोग की रिपोर्ट में बड़ा दावा

ढाका, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

16 वर्ष पहले हुए हिंसक विद्रोह की जांच के लिए गठित आयोग ने रविवार को रिपोर्ट जारी कर दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इन हत्याओं का आदेश दिया था। इस विद्रोह में दर्जनों वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की हत्या कर दी गई थी।बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) के उग्र सैनिकों ने दो दिवसीय विद्रोह के दौरान सैन्य अधिकारियों सहित 74 लोगों की हत्या कर दी थी। यह विद्रोह 2009 में ढाका से शुरू होकर पूरे देश में फैल गया था, जिससे तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना के पदभार ग्रहण करने के कुछ ही सप्ताह बाद उनकी सरकार अस्थिर हो गई थी।रविवार को प्रस्तुत आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, हसीना के नेतृत्व वाली तत्कालीन अवामी लीग सरकार विद्रोह में सीधे तौर पर शामिल थी। सरकार के प्रेस कार्यालय ने आयोग के प्रमुख एएलएम फजलुर रहमान के हवाले से कहा कि पूर्व संसद सदस्य फजले नूर तपोश ने प्रमुख समन्वयक के रूप में काम किया और हसीना के इशारे पर उन्होंने हत्याओं को अंजामदेने के लिए हरी झंडी दी।

बयान में कहा गया कि जांच में विदेशी ताकतों की संलिप्तता स्पष्ट रूप से सामने आई है।पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व में हुए विद्रोह के बाद हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था, जिसके बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने घटना की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया था। 78 वर्षीय हसीना ने बांग्लादेश लौटने के अदालती आदेश की अवहेलना करते हुए भारत में शरण मांगी है।रहमान ने पत्रकारों से बातचीत में भारत पर देश को अस्थिर करने और नरसंहार के बाद बांग्लादेश की सेना को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। रहमान ने कहा, बांग्लादेश की सेना को कमजोर करने के लिए लंबे समय से साजिश रची जा रही थी। इस आरोप पर भारत की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हसीना को भारत का समर्थन मिलने से उनके सत्ता से बेदखल होने के बाद से दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। यूनुस ने आयोग की रिपोर्ट का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्र 2009 की हत्याओं के पीछे के कारणों के बारे में लंबे समय से अंधेरे में रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग की रिपोर्ट के माध्यम से अंततः सच्चाई सामने आ गई है।

बांके बिहारी मंदिर के चबूतरे से हटेगा अतिक्रमण, समिति सदस्य की भूमिका!

वृंदावन, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर उच्चाधिकार प्रबंधन समिति मंदिर चबूतरे से दुकानों के अतिक्रमण को हटाने की योजना बना चुकी है। इसके लिए समिति ने अपने ही जूताघर को हटाकर दुकानदारों को संदेश भी दे दिया। दुकानों को हटाने का निर्णय आगामी 15 दिसंबर की बैठक में भले ही होगा। लेकिन, दुकानदारों में खलबली मच गई है। दुकानदारों को साहस मंदिर के प्रवेशद्वार संख्या दो की चौखंडी पर बनी सेवायत की गद्दी से बना हुआ है। चूंकि ये गद्दी मंदिर उच्चाधिकार प्रबंधन समिति के सेवायत सदस्य की है। इसका अतिक्रमण सबसे अधिक चबूतरे पर है। जबकि दूसरी दुकानें भी मंदिर सेवायतों की ही हैं, जो कि दशकों से बहुत ही कम किराए पर चली आ रही हैं। ऐसे में चबूतरे से दुकानें हटा पाना समिति के लिए चुनौती भरा काम साबित होगा। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर चबूतरे पर जूताघर हटने के बाद अब दूसरी दुकानों के स्वामियों में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया है। लेकिन, उन्हें भरोसा है कि उच्चाधिकार प्रबंधन समिति उनकी दुकानों को हटाने का साहस कम ही करेगी। चूंकि इन दुकानों के बीच समिति के एक सेवायत सदस्य की गद्दी है, जिसका अतिक्रमण सबसे अधिक है। मंदिर उच्चाधिकार प्रबंधन समिति के सेवायत सदस्य दिनेश गोस्वामी के अनुसार मंदिर के गेट संख्या दो की चौखंडी पर सेवायत सदस्य श्रीवर्धन गोस्वामी की गद्दी है, जिसका अतिक्रमण दुकान से दोगुना हो चुका है। इस गद्दी के आवंटन के बारे में बताया साठ के दशक में प्रबंध कमेटी के सदस्य कृष्णचंद्र गोस्वामी ने ये चौखंडी जयगोपाल गोस्वामी को इत्र की दुकान के लिए दी थी। इसके बाद जयगोपाल गोस्वामी के तीन पुत्रों सुमन गोस्वामी, बालकृष्ण गोस्वामी, बबलू गोस्वामी को ये दुकान वसीयत में तो मिली। लेकिन, 90 के दशक में जब प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष पद पर आनंद गोस्वामी काबिज हुए तो उन्होंने इत्र की इस दुकान को कब्जा मुक्त करके अपने लिए गद्दी बना डाली। इसके बाद आनंद बिहारी गोस्वामी और जुगलकिशोर गोस्वामी इसे अपनी गद्दी के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं। बड़ी बात ये कि चबूतरे पर सबसे अधिक अतिक्रमण इसी गद्दी का है, जिस गद्दी का उपयोग वर्तमान में समिति के सेवायत सदस्य श्रीवर्धन गोस्वामी कर रहे हैं।

इसके अलावा गेट के दूसरी चौखंडी की दुकान रूपकिशोर गोस्वामी के नाम से तीन रुपये किराए पर अलाट हुई थी। ये दोनों ही प्रवेशद्वार की चौखंडियां थीं। इसके बराबर जो दुकान छबीलेवल्लभ गोस्वामी को किराए पर दी गई। इसका यात्री विश्रामालय के रूप में उपयोग हुआ। अब दुकान चल रही है। इसके बराबर में गेट संख्या तीन को जाने वाले रास्ते पर खोखा में दुकान बनी है, वह भी 80 के दशक में मंदिर प्रबंधन ने गोपीवल्लभ गोस्वामी उर्फ गुपिया गोस्वामी व उसके बाद किशन बिहारी गोस्वामी ने चलाई अब इस खोखा का संचालन उनके बेटे पंकज कर रहे हैं। ऐसे में चबूतरे पर पूरी तरह अतिक्रमण केवल मंदिर के सेवायतों का ही है। जिसे हटा पाना प्रबंध समिति के लिए बड़ी चुनौती साबित होगा। चूंकि प्रबंधन समिति अब तक गोस्वामी समाज से न तो दर्शन समय में वृद्धि करवा पाई है और न ही मंदिर में सेवायतों व सेवादारों की संख्या ही तय करवा पाई है।

प्राईवेट सेक्टर के कर्मचारियों को बड़ी राहत, सरकार की परमिशन के बिना छंटनी नहीं कर सकेंगी कंपनियां

लखनऊ। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा का है कि केंद्र सरकार ने श्रमिकों के हित में 29 पुराने श्रम अधिनियमों को एकीकृत कर चार श्रम संहिताएं लागू की है। इनमें मजदूरी संहिता 2019, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, औद्योगिक संबंध संहिता 2020 तथा उपजीविकाजन्य सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता 2020 शामिल हैं।नई संहिताएं बीते 21 नवंबर से पूरे देश में प्रभावी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि पहले 1228 धाराएं थीं, जिन्हें अब घटाकर 480 कर दिया गया है। 1436 नियमों के स्थान पर केवल 351 नियम लागू किए गए हैं। 84 रजिस्टरों की जगह मात्र आठ रजिस्टर और 31 रिटर्न के स्थान पर एकल रिटर्न की व्यवस्था कर दी गई है। रविवार को लोकभवन में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सरकार ने इंस्पेक्टर राज समाप्त करने के लिए ऑनलाइन निरीक्षण की व्यवस्था कर दी है।पहली बार कानून के उल्लंघन की स्थिति में नियोक्ता अधिकतम जुर्माने के 50 प्रतिशत का भुगतान कर उपशमन प्राप्त कर सकते हैं।

यातायात माह बना काल, 30 दिनों में 33 मौतें अंतिम दिन 6 जिंदगियां लील गया भीषण हादसा

मुरादाबाद। यातायात माह हर दिन सड़के खून से लाल हुई है। ऐसा ही शायद कोई दिन गया हो जिस दिन सड़क हादसे में किसी की जान न गई हो। यातायात माह का अंतिम दिन भी छह लोगों की मृत्यु गहरा जख्म दे गई। अंतिम दिन जिले में सबसे बड़ा हादसा हुआ। अधिकांश हादसों में रफ्तार ही कारण बनी। इस माह में रोडवेज बस से यह दूसरा हादसा है। इससे पहले 16 नवंबर को अधिवक्ता के बहनोई की रोडवेज बस की टक्कर से मृत्यु हो गई थी।लोगों को यातायात के नियमों से जागरूक करने के लिए हर साल यातायात माह चलाया जाता है। जिससे हादसों में कमी आ सके, लेकिन मुरादाबाद में ऐसा नहीं हुआ। मुरादाबाद में तो यह यातायात माह लोगों के लिए काल बन गया। ऐसा कोई दिन नहीं हुआ जिस दन यातायात माह का अंतिम दिन था उस दिन साल का सबसे बड़ा हादसा हो गया।इस साल में हादसे तो लगभग रोजाना ही हुए है, लेकिन अंतिम दिन एक हादसे में छह लोगों की जान चली गई। इस हादसे में भले ही पुलिस अपनी लापरवाही न मान रही हो, लेकिन पुलिस की लापरवाही ही भारी पड़ी है। क्योंकि हाईवे पर ई-रिक्शा और आटो पर चलने पर रोक लगाई थी, लेकिन इसके बाद भी धड़ल्ले से आटो और ई-रिक्शा हाईवे पर दौड़ रहे हैं।सड़क हादसे में छह लोगों की मृत्यु के बाद स्वजन की मांग पर डीएम अनुज सिंह के निर्देश पर रात ही सभी शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। रात करीब दस बजे के बाद पोस्टमार्टम होने शुरू हुए, जो देर रात तक चलते रहे। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि रात में ही शवों के पोस्टमार्टम कराए गए है। अभी तक शिकायती पत्र नहीं मिला है।

साउथ सेंट्रल रिज पर टावर निर्माण के खिलाफ आरडब्ल्यूए का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन, सरकार से तत्काल रोक की मांग

नईदिल्ली, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

पर्यावरण संतुलन की आधारशिला साउथ सेंट्रल रिज को बचाने के लिए वसंत कुंज बी-1 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) के सदस्यों ने रविवार को जंतर- मंतर पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी लोगों ने आरोप लगाते हुए कहा कि डीडीए और एमसीडी के अधिकारियों ने मास्टर प्लान और पर्यावरण संरक्षण नियमों का उल्लंघन कर रिज की भूमि पर तीन लग्जरी टावरों के निर्माण की अनुमति दी है। जो पर्यावरण के खिलाफ है। प्रदर्शनकारी दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल से इस परियोजना पर तत्काल रोक लगाने की मांग कर रहे है। प्रदर्शनकारी आरडब्ल्यूए सदस्यों का आरोप है कि प्रशासन ने रियल एस्टेट लाबी के दबाव में आकर न केवल इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को नजरअंदाज किया है, बल्कि दिल्ली के हरित क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति भी घोर लापरवाही बरती है। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि यह निर्माण कार्य मास्टर प्लान 2021 के तहत निर्धारित संरक्षित वन क्षेत्र के नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है।

उनका कहना है कि रिज क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सरकारी या निजी निर्माण कार्य न केवल यहां की सघन हरियाली को नष्ट करेगा बल्कि क्षेत्र के भूजल स्तर को भी गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। प्रशासन की कथित मनमानी के खिलाफ हाथों में रिज बचाओ की तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि वह रिज की भूमि को किसी भी कीमत पर व्यावसायिक उपयोग के लिए नहीं देंगे। उन्होंने राष्ट्रपति और उपराज्यपाल से तत्काल मामले में हस्तक्षेप कर इस अवैध निर्माण के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को जल्द नहीं माना गया तो यह विरोध प्रदर्शन दिल्ली के अन्य नागरिक समूहों को साथ लेकर और अधिक तेज करेंगे।

केदारनाथ में तापमान -14 °C, राजस्थान में शीतलहर का अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और कुछ हिस्सों में शीतलहर की स्थिति बनी हुई है। पहाड़ी राज्यों, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड, के ऊंचे इलाकों में हाल ही में भारी बर्फबारी हुई है, जिससे पूरे उत्तर भारत में ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, कई जगहों पर तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे चला गया है। वहीं, चक्रवात दितवाह का असर दक्षिण भारत तक ही सीमित है, जहां भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, और उत्तरी राज्यों में इसका सीधा प्रभाव नहीं है। उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के समानांतर लगभग उत्तर की ओर बढ़ने और बुधवार सुबह तक और कमजोर होने की संभावना है। कराईकल और चेन्नई में डापलर मौसम रडार द्वारा निगरानी की जा रही है।

पटना में आज से गरजेगा बुलडोजर, गांधी मैदान-जेपी गंगा पथ सहित 9 इलाकों से हटेगा अतिक्रमण, DM ने बनाईं 9 टीमें

पटना, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एस एम के निर्देश पर पटना शहर में आज से अतिक्रमण के विरुद्ध पुनः विशेष अभियान चलाया जाएगा। अतिक्रमण उन्मूलन अभियान का दिसंबर माह का कैलेंडर जारी कर जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा की ओर से नौ टीमों का गठन किया गया है।यह विशेष अभियान नगर निगम के छह अंचलों नूतन राजधानी, पाटलिपुत्र, कंकड़बाग, बांकीपुर, अजीमाबाद, पटना सिटी के साथ नगर परिषद खगौल, फुलवारीशरीफ एवं दानापुर निजामत में भी चलाया जाएगा। प्रशासन, नगर निगम, ट्रैफिक पुलिस, परिवहन, राजस्व, पथ निर्माण, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशाम, पुल निर्माण निगम, दूरसंचार, वन प्रमंडल, विद्युत सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मिलकर कार्रवाई करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जहां-जहां अतिक्रमण हटाया जा रहा है, वहां पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर अनिवार्य रूप से प्राथमिकी की जाएगी। अभियान में बाधा डालने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों, फुटपाथ, सर्विस रोड और प्रमुख मार्गों को अतिक्रमणमुक्त रखना जनहित में अत्यावश्यक है।

कंकड़बाग, गांधी मैदान, राजेंद्र नगर टर्मिनल, डाकबंगला, कारगिल चौक, अशोक राजपथ, बोरिंग कैनाल रोड, सगुना मोड़, जेपी गंगा पथ, अटल पथ सहित प्रमुख मार्गों को खासतौर पर चिह्नित किया गया है। शहरी प्रबंधन इकाई को प्रत्येक माह पूर्व निर्धारित कैलेंडर के आधार पर नियमित अतिक्रमण उन्मूलन अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए आदतन अतिक्रमणकारियों को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई करने तथा विशेष वाहन जांच अभियान भी चलाने को कहा गया है।

डॉक्टर ने समझाया कब एचआईवी बन जाता है एड्स और समय रहते इलाज क्यों है सबसे जरूरी

नईदिल्ली, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

हमारे समाज में एचआईवी और एड्स को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई हैं। बहुत से लोग इन दोनों को एक ही बीमारी मान लेते हैं, जबकि मेडिकल साइंस के अनुसार एचआईवी और एड्स दो अलग-अलग कंडीशन हैं। आकाश हेल्थकेयर में इंटरनल मेडिसिन के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. प्रभात रंजन सिन्हा, इस विषय पर रोशनी डालते हुए बताते हैं कि लोगों में इन दोनों को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति रहती है, जबकि इन्हें समझना बहुत जरूरी है। आइए, 1 दिसंबर को मनाए जा रहे World AIDS Day के मौके पर इस बारे में विस्तार से समझते हैं। एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस एक ऐसा खतरनाक वायरस है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर धीरे-धीरे हमला करता है। यह वायरस खासतौर पर CDy कोशिकाओं को निशाना बनाता है, जो संक्रमणों से लड़ने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

डॉक्टर के अनुसार, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति को शुरुआती समय में कोई स्पष्ट लक्षण महसूस हों, यह जरूरी नहीं है। कई लोग वर्षों तक बिना किसी परेशानी के एचआईवी पॉजिटिव रह सकते हैं। इस दौरान वायरस शरीर में सक्रिय रहता है और धीरे-धीरे इम्यून सिस्टम को कमजोर करता जाता है। अगर इस इन्फेक्शन का सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह स्थिति आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती है। एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम एचआईवी संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण है। यह कोई अलग वायरस नहीं है, बल्कि एचआईवी से लंबे समय तक बिना इलाज के रहने पर विकसित होने वाली स्थिति है।जब किसी एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का Dary काउंट 200 से नीचे पहुंच जाए, या उसे कुछ विशेष प्रकार के संक्रमण या कैंसर हो जाएं, तो उसे एड्स के रूप में डायग्नोज किया जाता है। इस अवस्था में शरीर बेहद कमजोर हो जाता है और सामान्य संक्रमण भी गंभीर हो सकते हैं। एचआईवी संक्रमण के शुरुआती वर्षों में लक्षण न दिखना सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए, समय-समय पर एचआईवी टेस्ट, सुरक्षित व्यवहार, और नियमित दवा लेना इन सबकी मदद से एड्स को पूरी तरह रोका जा सकता है।एचआईवी और एड्स एक ही नहीं हैं। एचआईवी एक वायरस है, जबकि एड्स उस वायरस का अंतिम और गंभीर चरण। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि आज की आधुनिक चिकित्सा, खासकर ॅ्रऋ्ञ के जरिए एचआईवी संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है।

AIIMS से गुरुग्राम एक्सप्रेसवे की DPR जल्द तैयार करने के निर्देश, 2 घंटे का सफर अब सिर्फ 30 मिनट में

गुरुग्राम। एम्स से गुरुग्राम वाया महिपालपुर एक्सप्रेसवे बनाने के लिए डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी आरसीटी नामक कंपनी को सौंपी गई है। डेढ़ से दो महीने में कंपनी रिपोर्ट सौंप देगी। रिपोर्ट से तय होगा कि एक्सप्रेसवे कहां तक भूमिगत एवं कहां एलिवेटेड होगा। डीपीआर बनते ही एक्सप्रेसवे बनाने की दिशा में कार्रवाई तेज कर दी जाएगी। इसके बनने से 25 से 30 मिनट में लोग एम्स से गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर पहुंच जाएंगे। अभी दो घंटे लग जाते हैं। एम्स से गुरुग्राम में सिरहौल बार्डर तक पहुंचने में कम से कम डेढ़ घंटे लग जाते हैं। दिल्ली-गुरुग्राम के बीच कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एम्स से गुरुग्राम वाया महिपालपुर लगभग 30 किमी लंबा एक्सप्रेसवे बनाने की योजना बनाई है।एक्सप्रेसवे को गुरुग्राम में गांव घाटा के पास गुरुग्राम फरीदाबाद रोड से जोड़ा जाएगा। फिजिबिलिटी रिपोर्ट के मुताबिक एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा सकता है। इसे देखते हुए एनएचएआइ ने डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंसल्टेंट कंपनी को सौंपी है। प्रोजेक्ट पर लगभग पांच हजार करोड़ खर्च होने का अनुमान है।

मुझसे फोन पर बात करो...

गाजियाबाद में मेडिकल की छात्रा को परेशान कर रहा शादीशुदा युवक

साहिबाबाद, 01 दिसम्बर [एजेंसी]।

खोड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक मेडिकल की छात्रा को दूसरे समुदाय का एक शादीशुदा युवक परेशान कर रहा है। आरोपित युवक छात्रा पर फोन पर बात करने का दबाव बना रहा है और मना करने पर पिता को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोपित ने छात्रा को अपना हाथ काटकर फोटो भी भेजा। पीड़ित छात्रा ने पुलिस से मामले की शिकायत की है। पुलिस जांच कर रही है। पीड़िता छात्रा का कहना है कि वह खोड़ा में किराये के मकान में रहती हैं और नोएडा के जीएनएम से मेडिकल का कोर्स कर रही हैं। पीड़िता का कहना है कि उनके ही गांव का रहने वाला युवक उन्हें परेशान कर रहा है।

अलग-अलग नंबरों से फोन कर वह बात करने का दबाव बना रहा है और इंस्टाग्राम व फेसबुक के माध्यम से भी बात करने का प्रयास कर रहा है। आरोप है कि बात करने से मना करने पर आरोपित ने अपना हाथ काटकर फोटो भेजी और आत्महत्या की धमकी दी। आरोपित उनकी छवि परिचितों व रिश्तेदारों में खराब कर रहा है। शादी न करने पर आरोपित पिता को जान से मारने की धमकी दे रहा है। आरोप है कि आरोपित की मां ने भी उन्हें फंसाने की धमकी दी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

शॉल के साथ इन स्टाइल को अपनाएं, सर्दियों में दिखेंगी स्टाइलिश और आरामदायक

शर्तां गाने को तुलसी कुमार ने बताया दिल की आवाज, बोलीं, सीमाएं तोड़ना चाहती हूं

बॉलीवुड सिंगर तुलसी कुमार ने फैंस के लिए नया गाना शर्तां जारी किया है। पिछले कुछ सालों में तुलसी ने कई रोमांटिक और इमोशनल गानों से लोगों के दिलों में जगह बनाई है, लेकिन इस बार उन्होंने खुद को एक नए अंदाज में पेश किया है। शर्तां एक ऐसा डांस ट्रैक है, जो पूरी तरह से एनर्जेटिक और जोशीला है। गाने में फ्रीस्टाइल डांस के साथ थोड़ी बॉलीवुड स्टाइल का तड़का भी है, जो इसे और मजेदार बनाता है। बेहतरीन आवाज और नई स्टाइल के साथ तुलसी ने वीडियो में खुद को एक अलग और बोल्ड अवतार में दिखाया है। गाने का संगीत अभिजीत श्रीवास्तव ने दिया है और इसके बोल शायरा ने लिखे हैं। यह गाना सुनने में ग्लोबल पॉप एनर्जी से भरपूर लगता है। इसकी बीट्स सुनकर पैर अपने आप थिरकने लगते हैं। शर्तां गाने को लेकर तुलसी कुमार ने कहा, हर कलाकार एक ऐसे मुकाम पर पहुंचता है जब वह अपनी सीमाएं तोड़ना चाहता है, जब दिल चुपचाप कहता है कि अब आगे बढ़ना है, अब पिछली बार से बेहतर करने का समय आ गया है। शर्तां मेरे लिए वही दिल की आवाज है, बस फर्क इतना था कि यह चुप नहीं थी। यह जोरदार, बोल्ड और उन रंगों से भरी थी, जिन्हें मैंने पहले कभी नहीं छुआ था। मैंने खुद को जितना धकेला, शायद पहले कभी नहीं किया। उन्होंने कहा, गाने के लिए डांस स्टाइल सीखने से लेकर अपने अंदर के एक ऐसे रूप को खोजने तक, जिसके बारे में मुझे पता भी नहीं था, शर्तां मेरा वह रूप है, जिसे फैंस ने पहले कभी नहीं देखा। इसमें वो कला है जिसे मैं हमेशा व्यक्त करना चाहती थी। यह सबकुछ मेरे लिए नया है। वीडियो में तुलसी चार अलग-अलग लुक्स में नजर आई हैं, और हर लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। गाने को रंजन वर्गीज ने डायरेक्ट किया है। वहीं, भूषण कुमार और टी-सीरीज ने प्रस्तुत किया है, और यह अब सभी बड़े म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। फैंस इसे टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर भी देख सकते हैं।

प्रिंटेड ऑफ शोल्डर ड्रेस पहन श्वेता तिवारी ने बिखेरा जलवा

टेलीविजन इंडस्ट्री की सबसे खूबसूरत और सदाबहार एक्ट्रेसेस में से एक, श्वेता तिवारी, अपनी उम्र को मात देने वाली सुंदरता और फैशन सेंस के लिए अक्सर चर्चा में रहती हैं. 45 की उम्र को पार कर चुकीं श्वेता आज भी अपनी फिटनेस और स्टाइल से आज की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं. उनकी खूबसूरती के आगे उनकी बेटी पलक तिवारी भी फीकी लगती हैं.हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक प्रिन्टेड ऑफ-शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाओं और कॉन्फ़िडेंस ने एक बार फिर उनके फैंस को अपना

दीवाना बना दिया है.श्वेता तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक ऐसा लुक चुना है जो ट्रेंडी होने के साथ-साथ क्लासी भी है. श्वेता ने एक बहुत ही आकर्षक प्रिन्टेड ऑफ-शोल्डर मिडी ड्रेस पहनी हुई है. यह ड्रेस पिंक कलर के साथ प्रिन्ट का कॉम्बिनेशन है, जो उनके लुक को मॉडर्न फील दे रहा है. ड्रेस का ऑफ-शोल्डर डिजाइन उनके टोन्ड कंधों और कॉलर बोन को हाइलाइट कर रहा है, जिससे वो और भी ज्यादा खूबसूरत लग रहीं हैं. श्वेता तिवारी का सभी ड्रेस या लुक एकदम अलग और शानदार होता है, जो लोगों को बेहद पसंद आता है. उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ पूरा किया है. आई मेकअप और न्यूड लिपस्टिक के साथ, उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा है।

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए शॉल एक बढ़िया विकल्प होती है। यह न केवल आपको गर्म रखता है, बल्कि आपके लुक को भी खास बनाता है। शॉल को सही तरीके से पहनने पर आप हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे फैशन टिप्स देंगे, जिनसे आप रोजमर्रा की जिंदगी में शॉल को आसानी से पहन सकती हैं और हर अवसर पर आकर्षक लग सकती हैं।

रोजमर्रा के उपयोग के लिए डेनिम के साथ पहनें शॉल

डेनिम जैकेट या जैकेट के साथ शॉल पहनना एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। यह लुक न केवल आरामदायक है, बल्कि बहुत ही स्टाइलिश भी लगता है। आप हल्के रंग की डेनिम जैकेट के साथ गहरे रंग की शॉल चुन सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा। इस तरह आप रोजमर्रा की जिंदगी में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं और ठंड से बच सकती हैं।

ऑफिस के माहौल में अच्छा लगेगा फॉर्मल शॉल

ऑफिस के लिए फॉर्मल शॉल एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आप अपने सूट या कुर्ते के साथ मेल खाती या विपरीत रंग की फॉर्मल शॉल चुन सकती हैं। इससे न केवल आपका लुक पेशेवर लगेगा, बल्कि आपको ठंड से भी सुरक्षा मिलेगी। फॉर्मल शॉल आपके ऑफिस लुक को और अधिक आकर्षक बनाती है और आपको आत्मविश्वास देती है। इस तरह आप हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं और आरामदायक महसूस कर सकती हैं।

मैक्सी स्कर्ट के साथ मिलेगा बोहेमियन वाइब

बोहेमियन स्टाइल पसंद करने वालों के लिए मैक्सी स्कर्ट के साथ शॉल पहनना एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। रंग-बिरंगे पैटर्न वाली मैक्सी स्कर्ट के साथ हल्की और रंगीन शॉल आपका लुक बहुत ही खास बनाएगी। यह स्टाइल न केवल आरामदायक है, बल्कि बहुत ही आकर्षक भी लगता है। आप इस तरह के लुक को अपने रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से अपना सकती हैं और हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

सप्ताह के अंत पर यात्रा करते समय इस तरह दिखें- सप्ताह के अंत पर यात्रा करते समय आरामदायक और स्टाइलिश दिखना जरूरी होता है। इसके लिए आप अपने रोजमर्रा के कपड़ों जैसे टी-शर्ट और जींस के साथ हल्की और रंगीन शॉल चुन सकती हैं। इससे न केवल आपको ठंड से सुरक्षा मिलेगी, बल्कि आपका लुक भी खास लगेगा। यह स्टाइल आपको यात्रा के दौरान आरामदायक महसूस कराने के साथ-साथ हर मौके पर आकर्षक दिखाता है। पार्टी या खास मौके पर ऐसे बनाएं लुक खास- पार्टी या खास मौके पर शॉल को अलग-अलग तरीकों से बांधकर नया लुक बनाया जा सकता है। आप अपनी ड्रेस या लहंगा के साथ मेल खाती शॉल बांध सकती हैं, जिससे आपका लुक बहुत ही आकर्षक लगेगा। इसके अलावा आप शॉल को अलग-अलग तरीके से बांधकर भी नया स्टाइल बना सकती हैं। इन पांच तरीकों से आप आसानी से रोजमर्रा की जिंदगी में शॉल को शामिल कर सकती हैं और हर मौके पर स्टाइलिश दिख सकती हैं।

सेब को अपनी डाइट में शामिल करने के लिए अपनाएं ये सरल तरीके

सेब एक ऐसा फल है, जो न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें विटामिन-सी, फाइबर और ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को तंदुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और मजेदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप सेब को अपनी रोजमर्रा की डाइट में शामिल कर सकते हैं और इसके सभी लाभों का आनंद ले सकते हैं।

सुबह की शुरुआत करें सेब के साथ

सुबह का नाश्ता सेब के साथ शुरू करना बहुत अच्छा हो सकता है। आप सेब को छीलकर उसका रस निकाल सकते हैं या फिर उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर दही और शहद के साथ खा सकते हैं। इससे आपको ऊर्जा मिलेगी और आपका पाचन भी सही रहेगा। इसके अलावा सेब का सेवन करने से आपकी त्वचा भी चमकदार बनेगी और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे।

सलाद में शामिल करें

सेब को सलाद में शामिल करना एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। आप कच्चे सलाद में सेब के पतले-पतले टुकड़े मिला सकते हैं, जिससे उसका मीठा स्वाद आपके सलाद को और भी मजेदार बना देगा। इसके अलावा आप इसमें नींबू का रस और थोड़ा सा नमक भी डाल सकते हैं। इससे न केवल सलाद का स्वाद बढ़ेगा बल्कि सेब के पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे। यह सलाद खाने में हल्का और सेहत के लिए अच्छा है।

स्मूदी बनाकर पिएं

सेब की स्मूदी बनाना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके लिए आप एक मिक्सर में सेब के टुकड़े, दही, दूध और थोड़ा सा शहद डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को ठंडा करके पीने से आपको ताजगी मिलेगी और यह आपकी ऊर्जा को भी बढ़ाएगा। इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-सी और अन्य पोषक तत्व आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाएंगे और आपको स्वस्थ रखेंगे।

स्नैक्स के रूप में खाएं

बाहर जाते समय या किसी काम में व्यस्त रहने पर अक्सर लोग जंक फूड खा लेते हैं, जो सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। ऐसे में अगर आप अपने बैग में हमेशा एक या दो सेब रख लें तो जब भी भूख लगे, एक सेब निकालकर खा लें। इससे आपको तुरंत ऊर्जा मिलेगी और जंक फूड खाने की इच्छा भी नहीं होगी। सेब का सेवन करने से आपका पेट भरा हुआ महसूस होगा और सेहत भी बनी रहेगी।

मिठाई बनाने के लिए करें इस्तेमाल

अगर आपको मिठाइयां बनाने का शौक है तो उसमें सेब का इस्तेमाल जरूर करें। जैसे कि सेब की खीर या सेब का हलवा बनाकर देखें, यह बहुत ही स्वादिष्ट बनता है। इसके लिए आप दूध, चीनी और सूखे मेवे मिलाकर इस मिठाई को तैयार कर सकते हैं। इन सभी तरीकों से आप आसानी से अपने रोजमर्रा की जिंदगी में सेब को शामिल कर सकते हैं और इसके सभी फायदों का आनंद ले सकते हैं।

आईएफएफआई 2025 में बंदिश बैंडिट्स 2 ने मारी बाजी

गोवा में आयोजित 56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 के लिए बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) का पुरस्कार जीतकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की. इस श्रेणी में प्राइम वीडियो की हिंदी ओरिजिनल सीरीज पाताल लोक सीजन टू और तमिल ओरिजिनल सीरीज सुझल- द वर्टेक्स सीजन टू के साथ नामांकित की गई थी, जिससे इस प्रतिष्ठित श्रेणी में सेवा को तीन नामांकन मिले.

यह प्राइम वीडियो की दूसरी बार मान्यता प्राप्त है, जो 2023 में स्थापित पुरस्कारों के बाद, सेवा ने 2023 में पंचायत सीजन टू के लिए बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) का पुरस्कार जीता था. यह जीत भारत के तेजी से बढ़ते स्ट्रीमिंग इकोसिस्टम में सेवा के योगदान को और मजबूत करती है. यह पुरस्कार श्री संजय जाजू, सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. एल. मुरुगन, माननीय राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण और संसदीय कार्य, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया था. विजेता का चयन एक प्रतिष्ठित जूरी द्वारा किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्माता भरतबाला गणपथी ने की थी, जिसमें जूरी सदस्यों में निर्माता श्री आर महेंद्रन, निर्देशक और निर्माता श्री मुंजल श्रोफ, अभिनेता राजेश्वरी सचदेव और लेखक और निर्देशक श्री शेखर कुमार दास शामिल थे.

जूडी हॉप्स की आवाज बनकर छाईं श्रद्धा, सधी हुई कहानी और परफेक्ट कॉमेडी से फिल्म बनी रोमांचक

हॉलीवुड की फिल्म हो और वो भी एनिमेटेड.. फिर तो ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप इसे देखकर निराश हों। 'जूटोपिया 2' भी कुछ ऐसी ही फिल्म है। पहले सीन से लेकर आखिरी सीन तक कहानी आपको बांधे रखती है और इसके वन लाइनर्स हंसा-हंसाकर आपका पेट दर्द कर देते हैं। वहीं मेकर्स ने लीड किरदार में श्रद्धा कपूर की आवाज जोड़कर इसमें चार चांद लगा दिए। फिल्म की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है। जूडी हॉप्स और निक वाइल्ड जूटोपिया पुलिस डिपार्टमेंट में पार्टनर हैं पर दोनों के बीच बॉन्डिंग अच्छी नहीं है। एक केस में दोनों से गलती होने के बाद चीफ बोगो उन्हें अलग हो जाने या फिर थैरेपी सेशन अटेंड करने की सलाह देते हैं। जूडी को लगता है कि जूटोपिया में कोई सांप घुस आया है पर उसकी बात पर कोई यकीन नहीं करता। वो निक को मनाकर तहकीकात में लग जाती है। इसी बीच जूटोपिया के संस्थापक लिंक्सली परिवार एक पार्टी देता है जिसमें गैरी नाम का सांप सबके सामने आ जाता है। अब यह सांप जूटोपिया में किस लिए आया? क्या जूडी इसकी जड़ तक पहुंच पाएगी ? क्या उसका और निक का रिश्ता बिगड़ेगा या बेहतर होगा? यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी। एनिमेटेड फिल्म जब भी हिंदी में डब होती हैं तो उनकी सबसे बड़ी ताकत डबिंग आर्टिस्ट ही बनते हैं। बात करें इस फिल्म की तो हर एक छोटे से छोटे किरदार की भी डबिंग और डायलॉग्स दोनों ही कमाल हैं। जूडी के किरदार में श्रद्धा कपूर ने फिल्म में चार चांद लगाए हैं। सीन चाहे कॉमिक हो या फिर इमोशनल श्रद्धा ने इसका परफेक्ट वॉइस ओवर दिया है। निक वाइल्ड की आवाज बनकर दमनदीप सिंह ने खूब एक्सपेरिमेंट किए हैं। उनकी कॉमेडी टाइमिंग लाजवाब है। समय ठक्कर और आदित्य राज शर्मा समेत कई आर्टिस्ट ने फिल्म के छोटे-बड़े हर किरदार को बेहतरीन डब किया है। तारीफ उन डायलॉग राइटर्स की भी करनी होगी जिन्होंने फिल्म के हिंदी डायलॉग लिखे। ये हर सीन और किरदारों पर इतने सूटेबल हैं कि कहीं लगता ही नहीं कि आप एक डब की हुई फिल्म देख रहे हैं। पूरी फिल्म में वन लाइनर्स आपको हंसाते रहते हैं जैसे- 'टीम तीन की होनी चाहिए.. दो तो चप्पल भी होती है' और 'घोड़ा है घोड़े की जरूरत है।

सू- दोकू क्र. 244

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.243 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -244

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबास, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 243 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	र्म	■	■	ज	र	दा	■	■

रोमांटिक अंदाज में दिखे रणवीर सिंह और सारा अर्जुन

आगामी फिल्म 'धुरंधर' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना गहरा हुआ रिलीज कर दिया है। इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन का रोमांटिक अंदाज देखन को मिल रहा है। मेकर्स ने फिल्म धुरंधर का नया गाना गहरा हुआ रिलीज किया है। 3 मिनट 50 सेकेंड के इस गाने में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन पहले तो बाइक पर साथ में कहीं सैर करते दिख रहे हैं। फिर दोनों मॉल में भी रोमांटिक अंदाज में दिखते हैं। कई सीन्स हैं, जो दर्शकों का ध्यान खींचती नजर आ रही हैं। गहरा हुआ सॉन्ग की बात करें, तो इसे अरिजीत सिंह और अरमान खान ने मिलकर गाया है। वहीं इसे इरशाद कामिल ने लिखा है और शाश्वत सचदेव द्वारा कंपोज किया गया है।

घटिया सीसी रोड निर्माण पर वार्डवासियों का फूटा आक्रोश

ठेकेदार की मनमानी, बिना मानक के डाली जा रही 1-2 इंच की ढलाई, भूमि स्वामी के विरोध के बावजूद कराया जा रहा है निर्माण कार्य

चरचा कालरी। नगर पालिका शिवपुर चरचा के वार्ड क्रमांक 9 में भूपेंद्र सारथी एवं सिकंदर के घर के सामने बन रही सी सी रोड की निम्नस्तरीय गुणवत्ता और ठेकेदार के अभद्र व्यवहार को लेकर वार्डवासी बेहद आक्रोशित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क निर्माण में न तो जमीन को सही तरीके से साफ किया गया है और न ही मानक के अनुसार खुदाई की गई जिसके बाद ठेकेदार द्वारा मात्र 2 इंच की ढलाई कर दी गई है, जबकि कई स्थानों पर यह ढलाई 1 इंच से भी कम पाई गई है। घरों से निकलने वाले पानी के लिए भी कोई जगह नहीं रखी गई है इसके अतिरिक्त वहां कुछ जगहों में चेकर टाईल्स लगे हैं उन्हें भी नहीं हटाया गया यदि चेकर टाईल्स हटाकर एक समान ढलाई की जाती तो समरूपता आती,सब कुछ मनवाने ढंग से कराया जा रहा है।

निर्धारित मापदंडों के अनुसार सी सी रोड की कम से कम 8 इंच मोटाई अनिवार्य है, लेकिन निर्माण में भारी लापरवाही और अनियमितता साफ झलक रही है। वार्डवासियों ने बताया कि सीमेंट की मात्रा भी अत्यंत कम उपयोग की जा रही है, जिससे कुछ ही दिनों में सड़क उखड़ने का खतरा बना हुआ है। ऐसे निम्नस्तरीय निर्माण से शासन को आर्थिक क्षति पहुँचने की पूरी आशंका है।

ठेकेदार का दबंगई भरा रवैया-जब वार्डवासियों ने निर्माण कार्य स्थल पर उपस्थित ठेकेदार के भाई कल्याण दुबे से गुणवत्तापूर्ण कार्य करने की बात कही तो वह उलटे उन्हें डांटने लगा और कहा— किसी भी अधिकारी नेता-मंत्री को बुला लो, मैं जैसा काम करना चाहता हूँ, वैसा ही करूँगा। पैसा देकर काम लिया हूं। नगर पालिका से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह निर्माण कार्य विश्रामपुर के ठेकेदार 'सुबोध' द्वारा कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस ठेकेदार द्वारा पालिका के अन्य कई कार्यों में भी जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। वार्ड 13 में इसी ठेकेदार ने नाली निर्माण किया था, जिसमें भारी अनियमितता पाई गई और आज तक उस नाली पर स्लैब भी नहीं डाले गए।

भूमि स्वामी ने भी जताया कड़ा विरोध-वार्ड क्रमांक 13 में इसी निर्माण से जुड़ा एक और गंभीर मामला सामने आया है। जिस स्थान पर सी सी रोड डाली जा रही है, वहां के भूमि स्वामी श्रीमती रहनारीहाना ने बताया कि निर्माण कार्य हेतु पालिका प्रशासन द्वारा उनसे किसी भी प्रकार की सहमति नहीं ली गई है। और नहीं जानकारी दी गई है सब कुछ मनवाने तरीके से हो रहा है मेरे स्वामित्व की भूमि पर अवैध निर्माण किया जा रहा है। भूमि स्वामी श्रीमती रेहाना का कहना है कि नगर पालिका मनमानी कर रही है। मेरी भूमि पर बिना अनुमति निर्माण पूरी तरह अवैध है। मैं इसके खिलाफ अदालत जाऊंगी। जनता के पैसों की बर्बादी रोकना जरूरी है।

घटिया निर्माण की शिकायत मिलते ही नगर पालिका शिवपुर चरचा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वशिष्ठ ओझा ने कहा कि मामले में तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मुख्य अभियंता अलोक चक्रधारी ने भी तत्काल निर्माण कार्य को रोकने के निर्देश दिए और आश्वस्त किया कि-नियमों के तहत गुणवत्तापूर्ण कार्य कराना हमारी प्राथमिकता है। निर्माण कार्य की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। शिवपुर चरचा नगर पालिका क्षेत्र में घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार के आरोप गंभीर रूप ले चुके हैं। जनता की मेहनत के पैसों से हो रहे ऐसे निम्नस्तरीय कार्यों पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

विधायक ने विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया

कोरिया बैकुंठपुर। ग्राम पंचायत केशगवां की जनता के लिए बहुप्रतीक्षित (सीमेंट कंक्रीट) सड़क निर्माण कार्य एवं मुक्ति धाम,का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक क्षण की मुख्य अतिथि हमारी विधायक श्रीमती रेणुका सिंह थीं। विधायक ने मंत्रोच्चारण के बीच विधिवत भूमि पूजन किया और नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। इस नई सड़क के बनने से गाँव के लोगों को लंबे समय से चली आ रही आवागमन की समस्या से निजात मिलेगी। जनता ने अपनी लोकप्रिय नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्रीमती रेणुका सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है और सुनिश्चित किया कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता, सरपंच, पंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। हमारा ग्राम पंचायत केशगवां , अपनी विधायक दीदी श्रीमती रेणुका सिंह का इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

ठेकेदार की लापरवाही से जनता बेहाल कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

बलरामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर 90 करोड़ रुपए की लागत से रामानुजगंज से बलरामपुर तक 29 किलोमीटर लंबी टू-लेन सड़क का निर्माण कार्य इन दिनों तेजी से जारी है। लेकिन निर्माण के शुरुआती चरण में ही ठेकेदार की गंभीर लापरवाही उजागर होने लगी है, जिसके चलते आमजन का जीवन मुश्किलों से भर गया है। जिला मुख्यालय में प्रवेश करते ही धूल का घना गुब्बार वातावरण को ढक लेता है। सुबह और शाम के समय तो स्थिति और भी भयावह हो जाती है, जब धूल के बादल पूरी सड़क को सफेद धुंध की तरह ढक देते हैं। पूरे मार्ग पर धूल की समस्या इतनी गंभीर है कि वाहन चालकों, राहगीरों, व्यापारियों और आसपास रहने वाले लोगों का चलना-फिरना दूभर हो गया है। लगातार उड़ती धूल से खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत जैसी स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार निर्माण स्थल पर नियमित पानी का छिड़काव नहीं कर रहा है, जिसके कारण सड़क पर धूल की मोटी परत जम गई है और रात के समय दृश्यता बेहद कम हो जाती है। लोगों का यह भी कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारी न तो स्थल निरीक्षण कर रहे हैं और न ही ठेकेदार को नियमों का पालन कराने में गंभीरता दिखा रहे हैं। इधर, बढ़ती शिकायतों को देखते हुए कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने मामले को संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तलब किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान धूल नियंत्रण के लिए नियमित और निरंतर पानी का छिड़काव अनिवार्य रूप से कराया जाए। साथ ही सड़क पर उभर रही खराबियों को दूर करने के लिए तत्काल पेच रिपेयर कार्य प्रारंभ करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। कलेक्टर ने चेतावनी दी है कि नियमों का पालन न करने पर ठेकेदार तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उधर, प्रशासनिक हस्तक्षेप से स्थानीय लोगों ने राहत की उम्मीद जताई है और आशा व्यक्त की है कि जल्द ही धूल की समस्या से निजात मिलेगी तथा सड़क निर्माण सुचारु रूप से आगे बढ़ेगा। रामानुजगंज से बलरामपुर के बीच पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है वहीं जिला मुख्यालय में भी स्थिति अत्यंत गंभीर है यहां आने वाले प्रतिदिन हजारों लोग धूल से परेशान हो रहे हैं परंतु यहां भी पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है।

युवाओं-छात्रों में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास हुआ और मजबूत।

सूरजपुर। जिले की पुलिस के द्वारा न्याय की ओर मजबूत कदम, नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी सूरजपुर कोतवाली परिसर में लगाया गया है। यह प्रदर्शनी 5 दिवसीय होगी जिसका शुभारंभ गुरूवार, 27 नवम्बर को किया गया है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रदर्शनी में शुक्रवार को कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों, नगर के गणमान्य नागरिकों ने प्रर्दशनी में नए कानूनों की बारीकियों को करीब से देखा और समझा। इस अनुभव ने युवाओं-छात्रों में कानूनी जागरूकता और न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास को और मजबूत किया है।

ग्रामीणों को नहीं मिल रही इलाज की सुविधा

बड़गांवखुर्द उप स्वास्थ्य केंद्र 03 वर्ष से बंद

जनकपुर। एमसीबी जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़गांवखुर्द में बना उप स्वास्थ्य केंद्र पिछले 03 वर्ष से लगातार बंद रहता है। जिससे स्वास्थ्य सबंधित इलाज के लिए यहां के ग्रामीणों को उप-स्वास्थ्य केंद्र का लाभ नहीं मिल पा रहा है। जबकि शासन द्वारा लोगों को गांव में ही स्वास्थ्य लाभ देने की मंशा से यहां उप स्वास्थ्य केंद्र खोला गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 03 वर्ष पहले यह उप स्वास्थ्य केंद्र एक बार खुला था। पर लगातार बन्द रहने से ग्रामीणों को उप स्वाथ्य केंद्र का लाभ नहीं मिल पा रहा है। बड़गांवखुर्द उप स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारी कभी कभार गांव में आते भी है तो घूम फिर कर वापस चले जाते है। लेकिन उप स्वास्थ्य केंद्र का ताला नहीं खोलते है। जिससे गांव वालों को जरुरी दवाइयाँ तक नहीं मिल पाता है। वहीं गांव वालों ने बताया कि हम लोग लगभग 03 वर्ष से उप स्वास्थ्य केंद्र को खुले हुए नहीं देखा है। उप स्वास्थ्य केंद्र के नहीं खुलने से यहाँ के ग्रामीणों को इलाज के लिए 25 किलोमीटर दूर कोटाडोल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या फिर 60 किलोमीटर दूर जनकपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तक मजबूरन जाना पड़ता है। जिससे हम ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उप स्वास्थ्य केंद्र के लगातार बंद रहने से भवन भी जर्जर हो रही है।ग्रामीण शिवधारी प्रसाद और मोहन प्रसाद ने बताया कि हम ग्रामीण बड़गांवखुर्द उप स्वास्थ्य केंद्र के लगातार बंद रहने के सबन्ध में विभाग के जिम्मेदार अधिकारी को कई बार मौखिक जानकारी दी गई थी। लेकिन इसके बावजूद अब तक किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं हुई है। वहीं इस सम्बन्ध में ज़ब भरतपुर बीएमओ डॉ. आर. के. रमन से बात की गई तो उन्होंने कहा कि हम जांच कराकर कार्रवाई करेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर-रामानुजगंज के नया अध्यक्ष बने हरिहर प्रसाद यादव

बलरामपुर। कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत वाड्रफनगर निवासी हरिहर प्रसाद यादव को जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर-रामानुजगंज का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी में चार दशकों से सक्रिय श्री यादव की नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। श्री यादव वर्ष 1980 से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और ब्लाक से लेकर जिला स्तर तक अनेक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभा चुके हैं। पार्टी संगठन में उनकी सक्रियता, अनुभव और क्षेत्र में पकड़ को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। माना जा रहा है कि उनकी नियुक्ति से संगठनात्मक मजबूती और क्षेत्रीय सक्रियता को नई दिशा मिलेगी। स्थानीय नेतृत्व का मानना है कि श्री यादव के अनुभव और संगठनात्मक दक्षता से जिले में कांग्रेस की गतिविधियों को नई गति मिलेगी और स्तर पर पार्टी मजबूत होगी।

दूसरी कक्षा के मासूम की आंख में उतरा खून-अधिकारियों ने दिए कार्रवाई के निर्देश

रामानुजगंज। रामानुजगंज के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पलगी में प्राथमिक शाला जावाखाड़ी के शिक्षक द्वारा मासूम छात्र की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कक्षा दूसरी में पढ़ने वाले 7 वर्षीय छात्र भागीरथी यादव को गिनती में गलती करने पर शिक्षक उदय यादव ने इतनी जोरदार पिटाई की कि उसकी आंख में खून उतर आया और चेहरा सूज गया। घटना शुक्रवार की है। भोजन अवकाश के बाद कक्षा में पहुंचे शिक्षक ने बच्चे से गिनती सुनाने को कहा। गलती जैसे ही हुई, शिक्षक ने उसके दोनों गालों पर थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। बच्चा जब डर के कारण सिर झुकाने लगा तो शिक्षक और अधिक नाराज़ हुए और लगातार पिटाई करते रहे। पीड़ित छात्र के पिता धनंजय यादव ने आरोप लगाया कि शिक्षक घटना के समय नशे में थे और अक्सर नशे की हालत में ही स्कूल आते हैं। घर पहुंचकर भागीरथी ने रोते हुए पूरी घटना बताई, जिसके बाद परिजन त्रिकुंडा थाना पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी मिलने पर शिक्षा विभाग भी हरकत में आ गया है। जिला शिक्षा अधिकारी मनीराम यादव ने कहा कि संबंधित शिक्षक के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज करने के लिए विकासखंड शिक्षा अधिकारी को थाने भेजा गया है उसके विरुद्ध निलंबन की भी कार्रवाई होगी। वहीं त्रिकुंडा थाना प्रभारी जवाहर तिर्की ने पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले में उचित वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने दोषी शिक्षक की बर्खास्तगी की मांग की है। पुलिस व शिक्षा विभाग घटना की जांच में जुट गए हैं।

स्पेस लैब का भ्रमण कर विद्यार्थियों ने विज्ञान के अनुसंधान को गहराई से जाना, शिक्षक हुए शामिल

कोरिया बैकुंठपुर। द न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल बैकुन्ठपुर के छात्रों ने कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में नव-स्थापित स्पेस स्किल लैब का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह स्पेस लैब भारत के गौरव ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर समर्पित है तथा हाल ही में स्कूल परिसर में स्थापित की गई है।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने अंतरिक्ष विज्ञान, खगोलशास्त्र, रॉकेट मॉडलिंग, सैटेलाइट सिस्टम, ग्रहीय गतियों तथा अंतरिक्ष अन्वेषण से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ प्राप्त कीं। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि यह स्पेस लैब किस प्रकार नई तकनीकों और भविष्य के स्पेस रिसर्च से जुड़ी संभावनाओं से उन्हें परिचित कराती है। स्पेस स्किल लैब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान और खगोलशास्त्र के प्रति जिज्ञासा बढ़ाना, मॉडल निर्माण, अवलोकन और प्रयोगों के माध्यम से प्रायोगिक सीख उपलब्ध कराना, उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रति रचनात्मक सोच और नवाचार क्षमता विकसित करना है। इस भ्रमण का संचालन भौतिक विज्ञान प्रवक्ता जिज्ञासा दुबे, विज्ञान प्रवक्ता अनुश्री देव एवं भूगोल प्रवक्ता नरेश दिवाकर द्वारा किया गया। उन्होंने बच्चों को स्पेस से संबंधित उपकरणों, मॉडलों और प्रयोगों का विस्तृत अवलोकन कराया तथा उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। ज्ञात हो कि द न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल बैकुन्ठपुर क्षेत्र का एक उभरता हुआ प्रतिष्ठित विद्यालय है, जहाँ कम्प्यूटर लैब, मैथ्स लैब, कम्पोज़िट साइंस लैब, खेल, संगीत और विभिन्न एक्स्ट्रा करिकुलम गतिविधियाँ पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। स्पेस लैब भ्रमण के दौरान छात्रों के साथ अध्यापिका जानवी सिंह, उमेश्वरी कुलमीत्रा, रोशन पाठक तथा काजल कश्यप भी उपस्थित रहीं। द न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल बैकुन्ठपुर के डायरेक्टर नीरज शिवहरे व शकील अहमद ने कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में नए आयामों और भविष्य के करियर विकल्पों से परिचित कराने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान का संकल्प, साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

मनेंद्रगढ़। भरतपुर पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान ने कहा कि वह . मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

वारंट तामील कर लौट रहे आरक्षक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

सूरजपुर। सूरजपुर जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताज़ा घटना में दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में एक आरक्षक की दर्दनाक मौत हो गई। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, आरक्षक दलसाय कोराम, जो रामानुजनगर थाने में पदस्थ थे, शनिवार देर रात परशुरामपुर क्षेत्र में वारंट तामील कर वापस थाने लौट रहे थे। इसी दौरान सरईपारा गांव के पास उनकी बाइक सामने से आ रही एक अन्य बाइक से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। घटना के बाद रामानुजनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

धान की कालाबाज़ारी पर कड़ी कार्रवाई

बलरामपुर। धान खरीद सीजन के दौरान बिचौलियों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए बलरामपुर-रामानुजगंज जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिले में फ्लाइंग स्क्वायड टीमों के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में 22 नाका स्थापित किए गए हैं, जिनमें 17 चेकपोस्ट अंतरराज्यीय हैं। इन सभी नाकों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी मॉनिटरिंग जिला स्तर पर लगातार की जा रही है। अब तक की गई कार्रवाई में प्रशासन ने 45 प्रकरण दर्ज किए हैं। धान की अवैध ढुलाई और खरीदी-बिक्री पर कड़ी निगरानी के दौरान 4,300 क्विंटल धान जप्त किया गया है। यदि यह धान बिचौलियों द्वारा समितियों में खपाया जाता तो इसकी कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक होती। प्रशासन ने धान की अवैध परिवहन में संलिप्त 17 वाहनों को भी जब्त कर लिया है। ध्यान देने योग्य है कि धान की कालाबाज़ारी में शामिल वाहन मालिकों और चालकों पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। अब तक 3 प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज किए जा रहे हैं, जिन पर आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जिले में धान की अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए हर स्तर पर कठोर कदम जारी रहेंगे।

सरकार के मानवीय निर्णय बने बदलाव की आधारशिला

एमसीबी। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के लिए वर्ष 2024-25 सामाजिक सुरक्षा, संवेदनशीलता और मानव-कल्याण की दृष्टि से अभूतपूर्व उपलब्धियों का वर्ष साबित हुआ। यह वह समय रहा जब सरकारी योजनाएँ केवल कागज़ों पर नहीं रहीं, बल्कि लोगों के जीवन को स्पर्श करते हुए उन्हें वास्तविक सुरक्षा, स्थिरता और सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को जिस गम्भीरता से राज्य सरकार ने अपनाया, उसमें एमसीबी जिला पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरक मॉडल बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील कार्यशैली और जिला प्रशासन की मेहनत ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया, जहाँ योजनाएँ परिवारों की तकदीर बदलने का माध्यम बन सकीं।

एमसीबी जिला अपनी भौगोलिक विविधताओं, मेहनतकश समुदाय और प्राकृतिक संपदा के लिए पहले से प्रतिष्ठित रहा है, परंतु सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में आए तीव्र परिवर्तन ने इस जिले की पहचान को नई ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया है। यह वह प्रशासकीय कार्यशैली है, जिसका केन्द्र यह सुनिश्चित करना रहा कि जिले का कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में अकेला, असुरक्षित या उपेक्षित महसूस न करे। पेंशन योजनाओं के माध्यम से 26,337 लोगों के जीवन में स्थिरता और सुरक्षा आई। यह योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि उनके आत्मसम्मान की रक्षा करने वाला संबल बनीं। 6,704 बुजुर्गों को वृद्धावस्था पेंशन ने दवाइयों से लेकर दैनंदिन खर्चों तक भरोसे का सहारा दिया। 3,442 विधवा माताओं को कठिन परिस्थितियों में नई शक्ति मिली, यह एहसास हुआ कि समाज और सरकार उनके साथ है। 334 दिव्यांगजन, जो रोजमर्रा की चुनौतियों से जूझते रहते हैं, पेंशन की मदद से अपने जीवन को अधिक आत्मनिर्भरता के साथ जी पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिव्यांग शब्द को अपनाना केवल शब्दावली नहीं, बल्कि सम्मानजनक दृष्टिकोण का परिवर्तन था जिसने देशभर में सकारात्मक सामाजिक चेतना पैदा की। इसके अलावा-2,925 परिवारों को सुखद सहायता योजना ने आकस्मिक संकटों में संभाला। 4,339 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन और 8,603 नागरिकों को मुख्यमंत्री पेंशन योजना के माध्यम से सम्मानजनक जीवन का अवसर मिला। ये सभी योजनाएं जीवन के संघर्षों को कम करने और लोगों को आत्मविश्वास प्रदान करने में महत्वपूर्ण साबित हुईं। दिव्यांगजनों के लिए 501 सहायक उपकरण वितरण इस वर्ष की सबसे मानवीय उपलब्धियों में गिना गया। 152 मोटराइज्ड ट्राइसाइकल अनेक लोगों के लिए स्वतंत्रता, रोज़गार और सामाजिक जुड़ाव का माध्यम बने। 40 श्रवण यंत्र उन परिवारों के लिए वरदान साबित हुए जिनमें किसी सदस्य ने वर्षों बाद अपने प्रियजनों की आवाज़ सुनी। वहीं व्हीलचेयर, ब्रेल स्टिक, छड़ी, बैसाखी और अन्य उपकरणों ने उन लोगों को जीवन की नई दिशा दी जो परिस्थितियों से घिरे हुए थे। कार्ड वितरण जिले की डिजिटल उपलब्धियों में मील का पत्थर साबित हुआ। 614 दिव्यांगजन आज विभिन्न सरकारी लाभ, चिकित्सा सुविधाएँ, आरक्षण, रियायतें और सहायक उपकरणों से जुड़े लाभ आसानी से प्राप्त कर रहे हैं। यह कदम डिजिटल इंडिया की भावना को जमीनी स्तर पर स्थापित करता है। जिला समाज कल्याण विभाग का सबसे बड़ा परिवर्तन इसकी मानव-केन्द्रित, सम्मान-प्रधान और पारदर्शी कार्यशैली रही। लाभार्थियों को यह महसूस हुआ कि- वे सहायता नहीं मांग रहे, बल्कि उन्हें उनका हक़ मिल रहा है। प्रक्रियाओं की सरलता, पारदर्शी भुगतान, त्वरित सेवा वितरण और फील्ड स्तर पर कार्यरत टीम की संवेदनशीलता ने प्रशासन के प्रति विश्वास को मजबूत किया है।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का मानवीय नेतृत्व, त्वरित निर्णय और गरीबों के प्रति समर्पण इन उपलब्धियों की आधारशिला रहा। समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की फील्ड-फोकस्ड कार्यशैली ने सुनिश्चित किया कि लाभ समय पर और सही हाथों तक पहुँचे। आज एमसीबी जिले की तस्वीर बदल चुकी है। बुजुर्ग सुरक्षित महसूस कर रहे हैं, महिलाएँ आत्मनिर्भर बन रही हैं, दिव्यांगजन मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं, गरीब वर्ग शासन की योजनाओं से सीधे लाभान्वित हो रहा है। यह बदलाव आँकड़ों से कहीं आगे है। यह उन मुस्कानों में दिखाई देता है जो पहले अनिश्चितता से घिरी थीं। 26,337 पेंशन, 501 सहायक उपकरण और 614 छ्ढ्ढछ्व कार्ड-ये केवल संख्याएँ नहीं हैं, बल्कि हजारों सपनों को नया आसमान देने वाले मानवीय प्रयासों का प्रतीक हैं। यह सफलता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीति, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के संवेदनशील नेतृत्व, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सक्रियता और जिला प्रशासन की ईमानदार कार्यशैली का सशक्त परिणाम है।

डीआईजी व एसएसपी ने ली जनरल परेड की सलामी

सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस लाईन में जनरल परेड की सलामी ली। उन्होंने अधिकारी व जवानों के वेश-भूषा का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों से परेड़ के कमाण्ड दिलवाए। निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट वेशभूषा एवं परेड़ के लिए जवानों को पुरस्कृत किया। शासकीय वाहनों का जायजा लिया और आरक्षक चालकों को अनिवार्य रूप से मेंटनेंश डे पर वाहनों में जरूरी मरम्मत कराने तथा रक्षित निरीक्षक को वाहन चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। परेड़ के उपरान्त डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस जवानों के समस्याओं को जाना और उन समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु दिशा निर्देश भी दिया। इस दौरान उन्होंने जवानों को कहा कि आप में काम करने की क्षमता बहुत है दृढ़ इच्छा शक्ति और लगन के साथ कार्य करें। जब हम सभी अच्छा काम करेंगे तो पुलिसिंग मजबूत होगा, अच्छे कार्यो से हममें ज्ञान के साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

नगर में चोरी की बड़ी वारदात, वार्ड क्रमांक 3 में लाखों का सामान पार

रामानुजगंज। नगर के वार्ड क्रमांक 3 में बीती रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जेल के पीछे बसे इस वार्ड में अज्ञात चोरों ने करीब देढ लाख से अधिक सोना-चांदी के जेवरात और 12,000 नकद पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, चुटुर कुशवाहा (60 वर्ष) अपने घर के एक हिस्से वार्ड क्रमांक 5 में रहते हैं वहीं उनका बेटा बहू वार्ड क्रमांक 3 में रहते हैं बीती रात बहू सोनी देवी अपने पाँच साल के बच्चे के साथ दूसरे कमरे में सो रही थीं। लगभग दो बजे रात के समय कुछ आवाज सुनाई देने पर सोनी देवी की नींद खुली। उन्होंने बाहर आकर देखा तो दो कमरों के ताले टूटे पड़े थे। अंदर जाकर अलमारी की जाँच की तो सोनाङ्कचाँदी के सभी जेवरात गायब मिले। यह देखकर वह जोर-जोर से रोने और चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़े चले आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुँचा, लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे। वारदात के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है और सोनी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उसी रात शमीम मिस्त्री के घर का ताला भी तोड़ा गया, लेकिन वहां चोरी नहीं हो सकी। इसके अलावा आस-पड़ोस के सातङ्कआठ घरों के बाहर से दरवाजे बंद पाए गए, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोरों ने पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। यह तरीका उनकी शातिर प्रवृत्ति को दर्शाता है। नगर में पिछले कुछ महीनों से लगातार चोरी की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं, लेकिन पुलिस अभी तक किसी भी बड़े गिरोह तक नहीं पहुंच पाई है। इससे चोरों के हौसले और भी बुलंद होते नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस गश्त बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। नगरवासियों ने पुलिस प्रशासन से तत्परता से कार्रवाई कर चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है, जिससे क्षेत्र में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो सके।

संगठन को मजबूत करने बरेठ को दी गई जिम्मेदारी

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ की बैठक कल अंबिकापुर में आयोजित की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी क्षेत्रों में इसी सप्ताह से सदस्यता अभियान चालू कर दिया जाए ताकि संगठन को और मजबूत बनाया जा सके। प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ को राजनांदगांव, जगदलपुर सहित अन्य क्षेत्रों का दायित्व दिया गया है। वे इन क्षेत्रों में जाकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे और उन्हें दिशा निर्देश देंगे। प्रदेश अध्यक्ष संजय तिवारी कोरबा प्रवास पर रहेंगे। वे यहां आकर कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। अंबिकापुर में आयोजित बैठक में किए गए आंदोलन पर भी चर्चा की गई। जिसमें कहा गया कि प्रबंधन उनकी मांगों को मान लिया है और प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा इसकी घोषणा की जाएगी। दिसंबर माह तक अगर उनकी मांगों को माना नहीं गया तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा। इस बैठक में राष्ट्रीय सचिव आरएस जायसवाल, मदन मोहन पांडेय, कमल नारायण यादव, पूर्णिमा साहू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोयला कामगारों को बजट का इंतजार

कोरबा। एसईसीएल गेवरा प्रोजेक्ट में कोयला कामगार ओटी का लाभ उठा रहे थे, लेकिन अब बजट कम होने से ओटी में कटौती कर दी गई है, जिसको लेकर कोयला कामगार परेशान हो गए हैं। यूनियन प्रतिनिधि प्रबंधन से मुलाकात करने गए हुए थे। उन्हें बताया गया कि बजट नहीं होने से ओटी में कटौती की जा रही है। आने वाले दिनों में बजट आने के बाद ओटी दिया जाएगा। यूनियन प्रतिनिधि शेखचांद मंसूरी, छंदराम राठौर, कुलदीप कुमार का मानना है कि कोयला कामगारों को ओटी दिलाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों के सामने इस मामले को रखा भी गया है। जनवरी माह में बजट आने की बात कही जा रही है।

विधायक कौशिक से मुलाकात

कोरबा। बिल्हा के विधायक धरमलाल कौशिक के कटघोरा पहुंचने पर भाजपाईयों ने उनसे जाकर मुलाकात की। कटघोरा गेस्ट हाउस में धरमलाल कौशिक, हर्षिता पांडेय उपस्थित थीं। उनके आने की सूचना पर मंडल महामंत्री समजीत सिंह, संजय शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की। धरमलाल कौशिक ने एसआईआर के संबंध में जानने का प्रयास किया और उन्हें कई सुझाव भी दिए। समजीत सिंह ने बताया कि पिछले दिनों भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने छुरी ने पार्षदों की बैठक ली थी एवं मंडल के कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए हैं। जिसके आधार मंडल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग के मार्गदर्शन में एसआईआर का काम हो रहा है।

राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 6 से

कोरबा। अखिल भारतीय कोयला खदान मजदूर संगठन राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 6 दिसंबर से नागपुर में शुरु हो रहा है। इस बैठक में टिकेश्वर राठौर, रमेश गुरुद्वान, रंजय सिंह, हिरेंद्र चंद्रा, रामनारायण साहू सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल होंगे। राष्ट्रीय कार्यसमिति में आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उसके आधार पर ही संगठन में काम होगा।

बीमारी के लिए अवकाश चाहिए तो पांच दिन पहले दो आवेदन

अधिकारी के अजीब रवैये से नाराज होमगार्ड सैनिक हड़ताल पर

कोरबा। न्यूनतम वेतन पर काम कर रहे हैं कोरबा के होमगार्ड सैनिक अपनी कई मांगों और डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट के अजीब रवैया से नाराज है। उन्होंने इस मसले को लेकर हड़ताल शुरू कर दी है। खबर के अनुसार होमगार्ड सैनिक अगर बीमारी के मामले में अवकाश चाहते हैं तो उन्हें कहां जाता है कि इसके लिए 5 दिन पहले आवेदन दीजिए।

कोरबा जिले में काम कर रहे होमगार्ड सैनिक पिछले कुछ दिनों से काफी असहज महसूस कर रहे हैं। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट को निशाने पर लिया है। उनके कार्य प्रणाली पर लगातार सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अजीबोगरीब नियम और आदेश के चक्कर में होमगार्ड सैनिकों का काम करना काफी मुश्किल हो गया है। इनमें पुरुष के साथ महिला कर्मी भी दिक्कत में है। उन्होंने अपने स्तर पर इस पूरे मामले में समाधान खोजने की कोशिश की लेकिन कुछ भी संभव नहीं हो सका। सभी रास्ते बंद होने पर आखिरकार उन्होंने हड़ताल करना तय किया। सबसे खास बात यह है कि होमगार्ड कार्यालय क्षेत्र में ही उनके द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि धैर्य और संयम की भी एक सीमा होती है लेकिन इसे बहुत ज्यादा समय तक बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। याद रहे पिछले कुछ दिनों से नगर सैनिकों के द्वारा अपने अधिकारी पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए जाते रहे है। अपनी पदस्थापना के बाद से ही नए कमांडेंट का सामंजस्य कर्मचारियों के साथ नहीं बन पा रहा है। कोरबा में बनी हुई इस स्थिति की जानकारी ऊपर तक पहुंच गई है। सामान्य तौर पर यूनिफॉर्म वाले विभागों में इस तरह की चीज देखने को नहीं मिलती और जब कभी ऐसा होता है तो फिर अधिकारी की छुट्टी हो जाती है।

एडीएम और सीएसपी ने की चर्चा, ज्ञापन लिया

होमगार्ड द्वारा प्रदर्शन करने की खबर मिलने पर अधिकारी हरकत में आए। एडीएम देवेंद्र पटेल और सीएसपी भूषण एक्का ने मौके पर पहुंच उनसे बातचीत की और ज्ञापन प्राप्त किया। इस दौरान पता चला कि परेड में शामिल नहीं होने पर 127 कर्मियों को कमांडेंट ने नोटिस जारी किया जिस पर वे भड़क गए। उनका कहना है कि कुछ दिनों से अधिकारी के द्वारा फिजूल में उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्होंने मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया है।

अतिक्रमण पर सख्ती, प्रशासन ने बस स्टैंड में चलाया बुलडोजर

बार-बार समझाने पर भी कोई नतीजे नहीं

कोरबा। प्रशासन, पुलिस और नगर पालिका की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्थानीय बस स्टैंड मैं बुलडोजर चला दिया। यहां पर अतिक्रमण हटाने के लिए यह सब करना पड़ा। इससे पहले कई मेको पर लोगों को चेतावनी दी गई थी लेकिन उन्होंने इसे बहुत हल्के से लिया।

औपचारिक रूप से पहले ही संबंधितों अवगत कराने के साथ नोटिस भी दिया गया लेकिन उन्होंने अपने द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटाने में कोई रुचि नहीं ली। उन्हें ऐसा लग रहा था कि पहले की तरह इस बार भी कुछ होगा नहीं और उनकी बेजा दखल यूं ही बनी रहेगी। एसडीएम तन्मय खना, टीआई धर्म नारायण तिवारी व सीएमओ मुद्रिका तिवारी के साथ टीम ने

बस स्टैंड पहुचकर अतिक्रमण पर बुलडोजर चलवा दिया। मौके पर अवैध निर्माण के साथ शॉपिंग कंपलेक्स के बाहर अनावश्यक छज्जा निकालने से यात्री बसों के परिचालन के अलावा अन्य कार्यों में व्यवधान हो रहा था। लगातार इस प्रकार के कार्य बढ़ोतरी हो रही थी। जिला प्रशासन को भी इस बारे में खबर थी और उसने भी पिछले दिनों स्थानीय प्रशासन को कार्रवाई करने को कहा था। बताया गया कि आज सुबह कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों की ओर से औपचारिक विरोध जाता है क्या लेकिन इसका कोई खास असर नहीं हुआ। इससे पहले शहिद वीरनारायण चौराहा के आसपास का इलाका अतिक्रमण मुक्त किया गया है।

करतला रेंज में हाथियों के अलग-अलग स्थानों पर विचरण करने से बढ़ा खतरा

कोरबा। जिले के वनमंडल कोरबा एवं कटघोरा में हाथी समस्या समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जहां हाथियों ने कटघोरा वनमंडल के जंगल को अपना बसेरा बना लिया है वहीं कोरबा वनमंडल के करतला व कुदमुरा रेंज में पड़ोसी जिले से पहुंचे हाथियों द्वारा लगातार धान की फसल को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। कटघोरा वनमंडल के जटगा रेंज में 51 हाथी वर्तमान में सक्रिय हैं। हाथियों का यह दल कल तक रेंज के मेरई मुकवा क्षेत्र में पहाड़ पर अपनी उपस्थिति बनाए हुए थे। ताजा खबरों के अनुसार हाथियों के इस झुंड ने बीती रात अपना लोकेशन बदलते हुए चैतमा व जटगा रेंज की सीमा पर पहुंच गए। हाथियों को आज सुबह यहां स्थित झुनकीडीह जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। हाथियों के बार्डर पर पहुंचने की सूचना मिलते ही चैतमा रेंज का स्टफ सतर्क हो गया है वहीं जटगा रेंज के कर्मियों द्वारा भी इसकी लगातार निगरानी की जा रही है। इधर कोरबा वनमंडल के करतला रेंज में 21 हाथी विभिन्न स्थानों पर विचरण कर रहे हैं जिससे ग्रामीणों को खतरा बढ़ गया है। खतरे को देखते हुए वन विभाग अलर्ट मोड में है और निगरानी तेज करने के साथ ही मुनादी का काम भी जोर-शोर से किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 13 हाथी रेंज के बुढ़ियापाली, 6 हाथी सेंद्रीपाली तथा दो दंतैल क्रमश: संडैल तथा करतला के जंगल में घूम रहे हैं। दंतैल हाथियों के दंतैल होने के कारण आक्रामक होने की संभावना बढ़ गई है। हाथियों के दल ने बीती रात उत्पात मचाते हुए इन सभी स्थानों पर खेतों में लगे धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है। जिसका आंकलन वन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

तालाबंदी कर भू-विस्थापित महिलाओं ने किया गेट जाम आंदोलन शुरू

प्रशासनिक वादाखिलाफी का लगाया आरोप

कोरबा। सार्वजनिक क्षेत्र के वृहद उपक्रम कोल् इंडिया की अनुसांगिक कंपनी एसईसीएल बिलासपुर के अधीन कोरबा-पश्चिम क्षेत्र में स्थापित खुले मुहाने की गेवरा कोयला परियोजना अंतर्गत एसईसीएल-कुसमुंडा की मेगा परियोजना से प्रभावित भू-विस्थापित महिलाओं ने अलसुबह से अनिश्चितकालीन आंदोलन की शुरुआत कर दी। रोजगार, बसाहट, पुनर्वास एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की वर्षों से लंबित समस्याओं के समाधान न मिलने से क्षुब्ध महिलाओं ने कुसमुंडा क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार (दोनों गेट) पर ताला जड़कर गेट जाम कर दिया है। महिलाओं का कहना है कि अब समाधान के बिना वे पीछे हटने वाली नहीं हैं।

भू-विस्थापित महिलाओं के इस समूह में

गोमती केवट, काजल, इन्द्रा, सरिता, टिकैतराम बिंझवार, पूनम और मीना कंवर सहित अन्य महिलाएँ शामिल हैं। इन सभी ने स्पष्ट कहा है कि यदि आंदोलन के दौरान कोई अप्रिय स्थिति बनती है या कोयला उत्पादन प्रभावित होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी एसईसीएल प्रबंधन और जिला प्रशासन की होगी। कुसमुंडा परियोजना से प्रभावित इन महिलाओं का कहना है कि वे लगभग 22 वर्षों से रोजगार, बसाहट और पुनर्वास से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याएँ आज तक अनसुनी ही बनी हुई हैं। महिलाओं ने बताया कि 17 नवंबर को भी उन्होंने स्थ्वष्टरु कुसमुंडा कार्यालय में गेट जाम आंदोलन किया था। उस दौरान मौके पर पहुंचे दर्री तहसीलदार ने 21 नवंबर को बैठक आयोजित कर समाधान देने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन वादा पूरा न होने से महिलाओं का आक्रोश और बढ़ गया। हम कई बार गेट जाम, खदान बंद और अधिकारियों के चक्कर लगा चुके हैं। एसईसीएल एवं जिला प्रशासन के झूठे आश्वासनों ने हमें त्रस्त कर दिया है। 21 नवंबर की बैठक का वादा भी छलावा साबित हुआ। अब जब तक ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, हम गेट नहीं छोड़ेंगे।

सुधारगृह कोहड़िया से तीन बालक फरार

कोरबा। कोरबा और जांजगीर चांपा जिले से वास्ता रखने वाले तीन बालक कोहडिया स्थित सुधार गृह से भाग गए। उनकी तलाश की जा रही है । इससे पहले हुई एक घटना में पांच बालक फरार हो गए थे, जिन्हें पकड़ लिया गया।

जानकारी के अनुसार हाल में ही फरार हुए तीनों बालक चोरी के मामले में रजिस्टर्ड किए गए थे। उन्हें एक स्थान से पकड़ा गया था और फिर भविष्य ठीक करने की तरह इरादे से बाल सुधार गृह, कोहड़िया भेज दिया गया। खबर के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से पिछले शाम यहां से भाग निकले। सुधार गृह के केयरटेकर के द्वारा इस बारे में पुलिस को अवगत कराया। सीएसईबी पुलिस चौकी प्रभारी भीमसेन यादव ने बताया कि मामले पर संज्ञान लिया गया है और संबंधितों की तलाश की जा रही है उनके परिजनों को भी इस बारे में सूचित किया गया है।

भैसमा चौक पर पुतला दहन करेंगे कांग्रेसी

कोरबा। किसानों को धान खरीदी केंद्रों में और अधिक सुविधाएं दिए जाने की मांग को लेकर कांग्रेसी आज भैसमा चौक पर एकत्रित होंगे और आंदोलन करते हुए पुतला दहन करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, विधायक फूलसिंह राठिया, वरिष्ठ नेता हरीश परसाई, जिला ग्रामीण अध्यक्ष कांग्रेस मनोज चौहान, शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। ज्ञातव्य है कि जिले में धान खरीदी केंद्रों का शुभारंभ हो चुका है। किसान धान लेकर यहां पहुंचने लगे हैं। किसानों को हो रही परेशानी को देखते हुए कांग्रेसियों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इनका मानना है कि धान खरीदी केंद्रों में भीड़ लगने से किसान परेशान हो रहे हैं। उन्हें अन्य सुविधाएं भी दिए जाने की जरूरत है। इस आंदोलन के माध्यम से कांग्रेसी दबाव बनाने का प्रयास करेंगे ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके। इस आंदोलन में संतोष राठौर, श्याम नारायण सोनी, गोरेलाल यादव, दीपचंद केशरवानी, अजय प्रसाद सहित अनेकों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

बरपाली में धान खरीदी की शुरुआत

कोरबा। एक दिसंबर को धान उपार्जन केंद्र बरपाली में धान खरीदी का शुभारंभ किया गया। इसमें किसान रूप सिंह राठिया द्वारा टोकन तुहर हाथ मोबाइल ऐप के माध्यम से 160 क्विंटल का टोकन जारी गया था। आज धान खरीदी के इस अवसर पर प्रबंधक चंद्रेश कश्यप, फड़ प्रभारी देवेंद्र कुमार, कम्प्युटर आपरेटर गंगाधर राठिया, गणमान्य नागरिक हबीब मो., ताज खान, ग्राम बैगा शनि राम, मनबहाल कंवर आदि उपस्थित थे।

करंट से झुलसा मजदूर

कोरबा। बांकीमोंगरा थानांतर्गत अरदा मोड़ पर पेड़ की छंटाई करते समय एक मजदूर करंट की चपेट में आ जाने से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए कटघोरा अस्पताल भिजवाया गया है। बताया जाता है कि वन विभाग की जमनी पर अवैध निर्माण कराया जा रहा था।

बकरी चराने से इनकार करने पर देवर ने भाभी को पीटा

कोरबा। तनेरा गांव में मारपीट की एक घटना को लेकर पुलिस ने तेजराम प्रजापति पर अपराध दर्ज कर गिरफ्तार किया है। उसने अपनी 32 वर्षीय भाभी फूलमति प्रजापति के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। कोरबी चौकी प्रभारी एसके जोगी ने बताया कि आरोपी देवर के द्वारा अपनी भाभी को बकरी चराने जाने को कहा गया जिस पर उसने साफ इनकार कर दिया। इससे कुपित होकर यह घटना की गई। पीड़िता ने चौकी पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई।

यथो धर्म: ततो जय: कोरबा के सीतामढ़ी स्थित प्राचीन राम: जानकी मंदिर में 95 वा श्री विष्णु महायज्ञ और धर्म सम्मेलन जारी है। यजुर्वेद के मंत्र के साथ यहाँ धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत अगले चार दिसंबर तक एक लाख साठ हजार आहुतियां दी जाएंगी। इस विष्णु महाजन में प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु पुण्य अर्जित करने पहुंच रहे हैं।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com